www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 131 || लखनऊ
सोमवार
10 अगस्त 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:34
सूर्यास्तः 06:49
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 28°00


पेज 07

विशेष समाचार
लखनऊ निराश्रित महिला... >>पेज 04
पूर्व राष्ट्रपति ने लगाया अशोक... >>पेज 06
पैपराजी पर भड़कीं हार्दिक की एक्स...

झारखंड में छात्रों का आंदोलन जारी रहेगा

सरकार ने 50% मांगे मानी, जेपीएससी-पीटी रद्द करने पर सहमति, जेएसएससी-सीजीएल पर नहीं बनी बात

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

रांची। झारखंड में JPSC-JSSC परीक्षा में धांधली को लेकर छात्रों का आंदोलन जारी रहेगा। रविवार को छात्रों और सरकार के बीच तीसरे दौर की बैठक हुई, जिसमें सरकार ने छात्रों की करीब 50% मांगें मान लीं। छात्रों के मुताबिक, JPSC-PT परीक्षा रद्द करने पर सरकार ने सहमति जता दी है। हालांकि, JSSC-CGL परीक्षा रद्द करने को लेकर सहमति नहीं बन सकी है। मामले की जांच रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में कराई जाएगी। इधर, छात्रों ने आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया है। सोमवार (10 अगस्त) को शांतिपूर्ण तरीके से विधानसभा घेराव की तैयारी है, जिसके मद्देनजर राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। लोकसभा का चुनाव लड़ चुके देवेंद्रनाथ महतो और छात्र गुट, दोनों ग्रुप से सरकार ने बात की। इसमें छात्रों के 6 सदस्य शामिल थे। अब तक हुई शुक्रवार और शनिवार की दो राउंड की बातचीत बेनतीजा रही थी। इसी बीच JPSC में बड़ा प्रशासनिक बदलाव भी सामने आया है। आयोग के तीन सदस्यों-अजीता भट्टाचार्य, जमील अहमद और अनिमा हांसदा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। तीनों सदस्यों ने अपना इस्तीफा राज्यपाल को भेज दिया। जिसे राज्यपाल ने मंजूर कर लिया है। रांची में छात्रों के आंदोलन के बाद रविवार को JPSC के 3 सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया है। इसमें अजीता भट्टाचार्य, जमील अहमद और अनिमा हांसदा शामिल हैं। तीनों सदस्यों ने अपना इस्तीफा राज्यपाल को भेज दिया है।



अनशनकारियों का वजन घटा है: डॉक्टर

डॉक्टर एपी सिन्हा के नेतृत्व में रांची सदर अस्पताल की मेडिकल टीम ने जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे जेपीएससी-जेएसएससी (JPSC-JSSC) अभ्यर्थियों के स्वास्थ्य की जांच की।

डॉ. एपी सिन्हा ने बताया कि छात्रों को अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी गई, लेकिन उन्होंने अभी अस्पताल जाने से इनकार कर दिया है। इसके चलते हमने मौके पर ही जरूरी ट्रीटमेंट किया है।

सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दर्ज

JPSC-JSSC परीक्षा में गड़बड़ी का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। वकील सत्यम सिंह के मुताबिक, यह याचिका राजनीतिक नेता हरिशरण देवगन ने दायर की है। उन्होंने अपनी याचिका में चार मांगें पूरी करने की अपील की है। वहीं, सरकार ने छात्रों को सुझाव देने के लिए Email ID- Jpsc.jssc.feedback@gmail.com और फीडबैक नंबर जारी किया है।

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि हम छात्रों के विभिन्न समूहों, स्टेकहोल्डर से मिलेंगे। तमाम सुझावों के बाद फैसला लिया जाएगा।



विधायक बोले- सरकार जानती है, दोषी कौन हैं

JLKM विधायक जयराम महतो छात्रों के समर्थन में आज रविवार को एक दिन का उपवास कर रहे हैं। विधायक जयराम महतो ने कहा, 'विधानसभा सदस्य होने के नाते मुझे लगता है कि मेरी भागीदारी और ये भूख हड़ताल कम से कम 1% अतिरिक्त दबाव तो बना ही सकती है। इस मामले की CBI जांच होनी चाहिए।'



छात्र नेता ने कहा- सीजीएल परीक्षा रद्द करने पर नहीं बनी सहमति

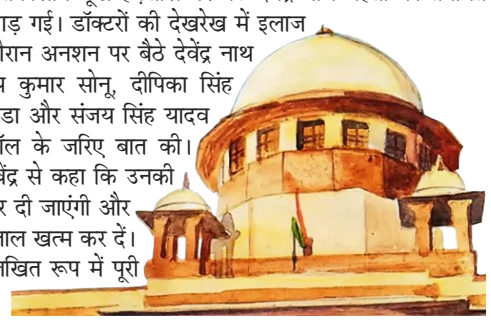
छात्रों के डेलिगेशन में शामिल पीयूष ने कहा कि सरकार ने CGL परीक्षा रद्द नहीं करना चाहती है। उनका कहा है कि CID से जांच कराएंगे। लेकिन हम छात्रों की मांग है पहले परीक्षा रद्द हो, फिर जांच कराई जाए। कल यानी सोमवार को शांतिपूर्ण तरीके से विधानसभा का घेराव करेंगे।





सीएम बोले- हमने चोरी पकड़ ली है... छात्रों को न्याय मिलेगा

2 अगस्त से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे देवेंद्र नाथ महतो की तबीयत रविवार सुबह 3 बजे बिगड़ गई। डॉक्टरों की देखरेख में इलाज चल रहा है। बैठक के दौरान अनशन पर बैठे देवेंद्र नाथ महतो से मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, दीपिका सिंह पांडेय, चमरा लिंडा और संजय सिंह यादव ने वीडियो कॉल के जरिए बात की। मंत्रियों ने देवेंद्र से कहा कि उनकी मांगें पूरी कर दी जाएंगी और वे भूख हड़ताल खत्म कर दें। तक मांगें लिखित रूप में पूरी नहीं होतीं।



सुप्रीम कोर्ट से ये 4 मांग

- जेपीएससी परीक्षा रद्द कर दोबारा कराई जाए।
- मामले की सीबीआई जांच कराई जाए।
- रिटायर जजों की अध्यक्षता में एक स्वतंत्र समिति गठित करे।
- सभी जरूरी दस्तावेज, ओएमआर शीट और सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखे जाएं और पूरी प्रक्रिया का ऑडिट कराया जाए।

"इधर, आदिवासी दिवस कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि जिस मुद्दे को लेकर हमारे नौजवान अपने अधिकार के लिए आंदोलन कर रहे हैं, वे हमारी सरकार की गतिविधियों की वजह से ही हिम्मत जुटा पाए हैं। उन्होंने कहा, "छात्र आंदोलन करें और अपने हक-अधिकार मांगें, क्योंकि हमने चोरी पकड़ ली है। नौजवानों को न्याय भी मिलेगा और जिन्होंने गड़बड़ी की है, उन्हें कठोर से कठोर दंड भी दिया जाएगा।" उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि सरकार को अच्छी तरह पता है कि दोषी कौन हैं। ये कोई छोटा-मोटा मामला नहीं है। लाखों रुपए में सीटें बेची जा रही हैं। ये असंभव है कि कोई मामूली अधिकारी या सामान्य व्यक्ति अकेले इतनी बड़ी रकम पचा सके। इसमें शक्तिशाली लोग शामिल हैं और इस बात का डर बना हुआ है।"

छात्र आंदोलन कब क्या हुआ....

- **21 जुलाई:** भर्ती परीक्षा गड़बड़ी पर CID की जेपीएससी ऑफिस में रेड, उप परीक्षा नियंत्रक समेत 8 हिरासत में, चेयरमैन ने इस्तीफा दिया।
- **22 जुलाई:** जेपीएससी चेयरमैन एल ख्यांगते का इस्तीफा मंजूर, सिविल सेवा मेंस समेत 9 परीक्षाएं स्थगित।
- **22 जुलाई:** भर्ती परीक्षा धांधली के विरोध में भाजयुमो ने जेपीएससी कार्यालय का घेराव किया।
- **23 जुलाई:** बीजेपी कार्यालय घेरने पहुंची कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं में भिड़ंत, दो घंटे हंगामा।
- **24 जुलाई:** जेपीएससी-जेएसएससी नियुक्ति अनियमितता के खिलाफ छात्र आंदोलन शुरू।
- **28 जुलाई:** मोरहाबादी की बापू वाटिका से आंदोलन जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम शिफ्ट।
- **29 जुलाई:** जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थी न्याय मंच ने संविधान यात्रा निकाली।
- **30 जुलाई:** भर्ती परीक्षा अनियमितता के खिलाफ छात्र संगठनों का प्रदर्शन।
- **31 जुलाई:** अभ्यर्थी न्याय मंच ने कैंडल मार्च निकाला।
- **1 अगस्त:** भर्ती परीक्षा अनियमितता के विरोध में अभ्यर्थियों ने आंदोलन तेज किया।
- **2 अगस्त:** छात्रों ने मशाल और तख्तियां लेकर पैदल मार्च निकाला।
- **3 अगस्त:** जेपीएससी-जेएसएससी में भ्रष्टाचार के विरोध में फ्लैश लाइट मार्च।
- **4 अगस्त:** छात्रों ने शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि देकर मार्च निकाला।
- **5 अगस्त:** सरकार ने वार्ता के लिए चार मंत्रियों की कमेटी बनाई, सीएम ने बातचीत का न्योता दिया।
- **6 अगस्त:** सोनम वांगचुक ने वीडियो कॉल कर देवेंद्र नाथ महतो से जल ग्रहण की अपील की।
- **7 अगस्त:** विधानसभा मार्च में AISA अध्यक्ष नेहा बोरा पर स्याही फेंकी, छात्र प्रतिनिधिमंडल ने सरकार की कमेटी से वार्ता की।
- **8 अगस्त:** छात्रों और सरकार के प्रतिनिधिमंडल के बीच दूसरे राउंड की बातचीत हुई, लेकिन यह भी बेनतीजा रही।

राहुल-अखिलेश ने युवाओं के लिए क्या किया : योगी

:पहले यूपी की पहचान माफिया और गुंडागर्दी से थी, अब कर्फ्यू-दंगे नहीं होते



विरोध



तमसा संकेत, एजेंसी

सिद्धार्थनगर। 'कांग्रेस ने देश के युवा के सामने और समाजवादी पार्टी ने यूपी के युवा के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया था। 2017 से पहले यूपी का युवा दूसरे राज्यों में अपनी पहचान बताने से बचता था। प्रदेश की पहचान गुंडागर्दी, माफिया और कानून-व्यवस्था की खराब स्थिति से होती थी। अब स्थिति बदल चुकी है।' यह बात सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सिद्धार्थ-नगर में कही। उन्होंने जिले को 311 करोड़ रुपए की 107 विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। योगी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का नाम लेते हुए सवाल किया कि लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद दोनों दलों ने युवाओं के लिए क्या किया? 2017 से पहले सपा सरकार कांवड़ यात्रा तक निकालने नहीं देती थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

हमने 9 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी

योगी ने कहा- कांग्रेस को देश में सबसे ज्यादा समय तक शासन करने का मौका मिला। सपा 4 बार यूपी में सरकार बना चुकी है। इसके बावजूद युवाओं के लिए ऐसा क्या किया गया कि वे उनके साथ खड़े हों? कांग्रेस के शासन में भ्रष्टाचार, आतंकवाद, नक्सलवाद का माहौल बना। सपा सरकार में प्रदेश में माफिया का प्रभाव था। हर जिले में एक माफिया, हर थाने और तहसील में माफिया का कब्जा था। गरीब की जमीन पर कब्जा होता था। मेरी सरकार ने पिछले 9 साल में 9 लाख से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी दी है। बिना भेदभाव के भर्ती हुई। सिद्धार्थनगर के युवाओं को भी नियुक्तियां मिली हैं।

"मुख्यमंत्री ने कहा कि सिद्धार्थनगर में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से जुड़ी परियोजनाओं को गति दी जा रही है। बांसी-बितवल मार्ग के लिए करीब 28 करोड़ रुपए, डुमरियागंज क्षेत्र के बदरिया-बढ़नी चंपा मार्ग के लिए 24.58 करोड़ रुपए समेत अन्य सड़कों के निर्माण और मरम्मत के लिए धन स्वीकृत किया गया है।"

फास्ट न्यूज

ट्रॉले ने वैन को टक्कर मारी, 6 दोस्तों की मौत

(धार)। धार जिले के बदनावर में रॉन्ग साइड से आ रहे ट्रॉले ने वैन को सामने से ऐसी टक्कर मारी कि वह पिचक गई। वैन में सवार सभी छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। गुजरात में वड़ोदरा के रहने वाले ये युवक आपस में दोस्त थे और उज्जैन से महाकाल के दर्शन कर लौट रहे थे। हादसा रविवार दोपहर करीब 1 बजे पंचकवास गांव के पास उज्जैन फोरलेन पर हुआ।

सीजेआई को यूनिवर्सिटी इवेंट में चीफ गेस्ट बनाने का विरोध

हैदराबाद। हैदराबाद की नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च (NALSAR) यूनिवर्सिटी के करीब 450 स्टूडेंट्स ने 2026 दीक्षांत समारोह में CJI सूर्यकांत को मुख्य अतिथि बनाने का विरोध किया है। छात्रों ने NEET विवाद और हालिया कॉकरोच जनता पार्टी के जंतर-मंतर प्रोटेस्ट के दौरान हुए घटनाक्रमों को लेकर यह आपत्ति जताई है। 2026 बैच के छात्रों के एक ग्रुप ने यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर, रजिस्ट्रार, फैकल्टी सदस्यों और प्रशासन के अन्य सदस्यों को लेटर लिखा है। इसमें उन्होंने भारत के मुख्य न्यायाधीश को मुख्य अतिथि के तौर पर बुलाने के फैसले पर फिर से विचार करने की अपील की है।

130 कलाकारों ने बनाई स्वतंत्रता दिवस की इन्विटेशन किट

नई दिल्ली। 80वें स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 'एट होम' रिसेप्शन होस्ट करने वाली हैं। इस डिनर के लिए जो निमंत्रण पत्र बनाया गया है, उसे 130 कारीगरों की टीम ने बनाया है। इस कार्ड की खासियत है कि इसमें छत्तीसगढ़, गोवा, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश की समृद्ध कला, परंपराएं और सांस्कृतिक विरासत दिखाई गई हैं।

देश में ई20 लागू किया जा रहा है : केजरीवाल

विरोध करने वालों की पोस्ट तक सोशल मीडिया से हटाईं जा रही हैं

विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (AAP) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने E20 को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लोगों को अपनी आवाज उठाने से रोक रही है। X पर पोस्ट किए गए वीडियो में उन्होंने कहा- जो ई-20 के खिलाफ आवाज उठाता है, उसका पेज डाउन करा देते हैं। उसका वीडियो डिलीट करवा देते हैं। उन्होंने सवाल किया कि इस तरह पीएम मोदी 140 करोड़ लोगों को कैसे दबा पाएंगे? अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री मोदी की पुलिस के बीच जंगल में छोड़े गए शेर को खोजने का कॉम्पटीशन हुआ।

>> (शेष पेज 06 पर)



केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट किए वीडियो में ई20 के लेकर केंद्र पर निशाना साधा।

पुलिस के सामने लोगों ने हमला किया, खिड़की खुली होती तो सिर चकनाचूर हो जाता

मेरी गाड़ी पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके गए : ममता

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि उनकी गाड़ी पर पत्थरों से हमला किया गया। पुलिस के सामने भीड़ ने गाड़ी रोक ली। कार पर मिट्टी और कीचड़ लगा दिया। कुछ लोगों ने जूते-पत्थर भी फेंके। अगर खिड़की खुली होती तो सिर चकनाचूर हो जाता, मौत भी हो सकती थी। दरअसल ममता उत्तर 24 परगना जिले में एक टीएमसी कार्यकर्ता की मौत के बाद उसके परिवार से मिलने जा रहीं थीं। रास्ते में बिजपुर के पास स्थानीय भीड़ ने उनका काफिला रोक लिया। प्रदर्शनकारियों ने 'चोर-चोर' के नारे लगाए। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में 8 जुलाई को TMC की रैली में हंगामा हो गया था। इस दौरान ममता बनर्जी नाराज हो गई। वे अपनी ही पार्टी के तीन कार्यकर्ताओं को थप्पड़ मारते नजर आईं थीं। दरअसल, रैली बारुईपुर में 11 साल की बच्ची के साथ रेप-मर्डर के विरोध में निकाली जा रही थी।

>> (शेष पेज 06 पर)



ममता बोलीं- पूरा पश्चिम बंगाल गुंडों के कंट्रोल में है

ममता बनर्जी ने कहा, मेरी कार पर हमला एक साजिश के अलावा कुछ नहीं है। मैंने पुलिस को बताया था कि मैं यहां आऊंगी, इसके बावजूद पुलिस ने कोई सुरक्षा इंतजाम नहीं किए। पूरे पश्चिम बंगाल को गुंडे नियंत्रित कर रहे हैं। दरअसल ममता तृणमूल कांग्रेस (TMC) कार्यकर्ता बिरजू केओट की मौत के बाद उनके परिवार से मिलने आईं थीं। बिरजू की मौत हालीशहर पुलिस की हिरासत में तबीयत बिगड़ने के बाद हुई थी।

पूर्व मुख्यमंत्री को जेड+ सिक्योरिटी क्यों मिलती है, 3 वजहें...

- अगर सुरक्षा एजेंसियों को किसी नेता पर गंभीर खतरा लगता है, तो सीएम पद छोड़ने के बाद भी जेड+ सुरक्षा जारी रह सकती है।
- नेता अगर अभी भी सक्रिय राजनीति में है और लगातार रैलियों, सभाओं और सार्वजनिक कार्यक्रमों में जाता है, तो सुरक्षा की जरूरत बनी रहती है।
- सुरक्षा एजेंसियां समय-समय पर खतरे की समीक्षा करती हैं। खतरा कम होने पर सुरक्षा घटाई जा सकती है और बढ़ने पर बढ़ाई भी जा सकती है।

घटना : 2 लोग सवार थे, कोई घायल नहीं, डिप्टी सीएम सुनेत्रा बोलीं- विमान का पहिया फंस गया था

बारामती एयरफील्ड पर ट्रेनर प्लेन रनवे से उतरा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के बारामती एयरफील्ड पर ट्रेनिंग एक्सरसाइज के दौरान एक ट्रेनर प्लेन रनवे से फिसल गया। पुणे के एसपी के मुताबिक, प्लेन में कैप्टन चिराग शशिकांत डोइफोडे और कैडेट अभिजीत जुंद्रे सवार थे। दोनों सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। घटना के तुरंत बाद प्लेन के क्रैश होने की खबरें आई थीं। हालांकि, डिप्टी CM और बारामती विधायक सुनेत्रा पवार ने क्रैश की खबरों को खारिज किया। उन्होंने बताया कि प्लेन रनवे पर ही था और टर्न लेते समय एक पहिया किनारे पर फंस गया। इसके अलावा कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ है। DGCA की टीम घटना की शुरुआती जांच करेगी। सिविल एविएशन मिनिस्ट्री का कहना है कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ और न ही किसी की मौत हुई है। बल्कि एयरक्राफ्ट के प्रोपेलर, इंजन काउलिंग और नोज लैंडिंग गियर को नुकसान पहुंचा है। दरअसल, 28 जनवरी को महाराष्ट्र के तत्कालीन डिप्टी CM अजित पवार का विमान बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान क्रैश हो गया था।



हादसे की सटीक वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है और मामले की जांच की जा रही है।

"पुलिस और प्रशासन के अधिकारी घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे। निकलने की घटना बताया गया है। हादसे की वजह अभी साफ नहीं हुई है।"



पुलिस बोली- लैंडिंग इमरजेंसी की ट्रेनिंग के दौरान हादसा

पुणे पुलिस के अनुसार, ट्रेनर प्लेन में सर्किट और लैंडिंग इमरजेंसी की ट्रेनिंग कराई जा रही थी। इसी दौरान वह रनवे-29 के अंतिम हिस्से (थ्रेशहोल्ड) से आगे निकल गया। इसके बाद पक्के रनवे से बाहर चला गया।

कांग्रेसी ऐसे बयान न दें, जिससे बीजेपी खुश हो : वेणुगोपाल

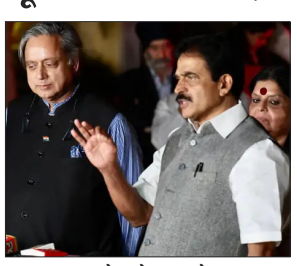
थरूर ने राहुल के छात्रों की गूंज कार्यक्रम पर कहा था- ये असर नहीं डाल सका

टिप्पणी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने रविवार को पार्टी नेताओं को भाजपा को खुश करने वाले बयान देने से बचने को कहा। वेणुगोपाल ने यह टिप्पणी शशि थरूर के राहुल गांधी के दिए बयान को लेकर की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक थरूर ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम में कहा था कि राहुल गांधी का 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम जेन-जी के बीच उतना असर नहीं डाल सका, जितना 'कॉकरोच जनता पार्टी' के विरोध प्रदर्शनों ने डाला था। वेणुगोपाल ने कहा कि उन्होंने थरूर का बयान केवल कुछ मीडिया चैनलों पर पढ़ा है और वे ठीक-ठीक नहीं सुन पाए कि थरूर ने क्या कहा था। उन्होंने कहा कि थरूर की टिप्पणी के बारे में सीधे उन्हीं से पूछा जाना चाहिए। थरूर ने शुक्रवार को महाराष्ट्र में एक कार्यक्रम के दौरान कहा था।

>> (शेष पेज 06 पर)



"वेणुगोपाल ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि थरूर ने जानबूझकर ऐसी टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा, हम सभी को ध्यान रखना चाहिए, चाहे जानबूझकर या अनजाने में। सार्वजनिक बयान देते समय सावधानी रखनी चाहिए। वेणुगोपाल ने आगे कहा कि अगर कोई राहुल गांधी में गलती निकालता है या उनके बारे में दो नकारात्मक बातें कहता है, तो भाजपा बहुत खुश होगी। उनके लिए यह सबसे खुशी की बात होगी।"

चेतावनी- यूपी में कल 75 शहरों में बारिश का अलर्ट

अलर्ट

10 नदियां उफान पर, काशी में गंगा आरती घाट, वृंदावन में परिक्रमा मार्ग डूबे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज। यूपी में लगातार हो रही मानसूनी बारिश से नदियां उफान पर हैं। गंगा, यमुना, शारदा और सरयू समेत 10 से ज्यादा नदियां खतरे के निशान के करीब बह रही हैं। मथुरा में यमुना नदी का पानी घाटों की सीढ़ियों तक पहुंच गया है। वृंदावन में केशीघाट पर परिक्रमा मार्ग डूब गया है। भक्त एक फीट पानी में उतरकर परिक्रमा लगा रहे हैं। कानपुर शहर से 25 किलोमीटर दूर गंगा घाट के किनारे ब्रह्मावर्त घाट पर 'ब्रह्मा की खूंटी' मंदिर में खूंटी डूब गई। काशी में गंगा का पानी मणिकर्णिका घाट तक पहुंच गया है। सभी 84 घाटों को जोड़ने वाले रास्ते जलमग्न हो गए हैं। इससे उनका आपस में संपर्क टूट गया है। दशाश्वमेघ घाट पर गंगा आरती की जगह बदल दी गई है। फर्रुखाबाद में 36 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। बिजनौर



में पिछले 11 दिनों से गंगा का पानी स्टेट हाईवे के ऊपर से बह रहा है। 12 गांवों में बाढ़ से हालात बिगड़ गए हैं। लोग अपने घरों को छोड़कर जाने को मजबूर हैं। दोनों की जिलों के ग्रामीण इलाकों में नावें चल रही हैं। लोगों को ट्रैक्टर और बैलगाड़ी के सहारे आवाजाही करनी पड़ रही है। रविवार सुबह से लखनऊ, कानपुर, वाराणसी और प्रयागराज समेत ज्यादातर शहरों में मौसम साफ है। तेज धूप निकली है। हालांकि, बीच-बीच में बादल छा रहे हैं। ठंडी हवा चलने की वजह से गर्मी नहीं है। मौसम विभाग (IMD) ने आज 52 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। ललितपुर और सोनभद्र समेत 10 जिलों में भारी बारिश हो सकती है। सोमवार को पूरे प्रदेश में बारिश की संभावना है। ललितपुर और महोबा में भारी से भारी बारिश का अलर्ट है। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-दक्षिण-पश्चिम यूपी पर बना कम दबाव का क्षेत्र अब कमजोर पड़ गया है। मानसूनी रेखा दिल्ली और आगरा से होते हुए पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी की ओर जा रही है। इसके अलावा, दक्षिणी पश्चिम बंगाल और उससे सटे उत्तरी ओडिशा पर बना एक और कम दबाव का क्षेत्र उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है।

काशी में दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती का स्थान 10 फीट पीछे किया

वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से विश्व प्रसिद्ध दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती का स्थान करीब 10 फीट पीछे कर दिया गया है। पानी बढ़ने से काशी के सभी 84 घाटों का आपसी संपर्क टूट गया है। जलस्तर और बढ़ा तो आरती का स्थान दोबारा बदला जा सकता है। सावन के दूसरे सोमवार से पहले घाटों का संपर्क टूटने से श्रद्धालुओं को परेशानी हो सकती है।

> संभल में सामान्य से बहुत ज्यादा बारिश हुई है। यहां औसतन 377.4 मिमी बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन 642.7 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई, जो सामान्य से करीब 70% अधिक है।
>
> दूसरी ओर मदोही में काफी कम बारिश हुई है। यहां 445.6 मिमी बारिश का अनुमान था, लेकिन केवल 139.8 मिमी बारिश दर्ज की गई।



वाराणसी में घाटों का संपर्क टूटा, दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती की जगह बदली

बीते 24 घंटे में वाराणसी में करीब 3 फीट तक गंगा का जलस्तर बढ़ा है। सभी घाटों का संपर्क टूट गया है। दशाश्वमेध घाट पर होने वाली गंगा आरती का स्थान भी बदलना पड़ा है। बनारस के आसमान में आज हल्के बादल दिखाई दे रहे हैं। मौसम वैज्ञानिक मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि आगामी 1 से 2 दिनों तक हल्की-फुल्की बूंदाबांदी के आसार दिखाई दे रहे हैं।

राजधानी में मेडिकल छात्रों ने बजाई ढफली

बोले- 4 मेडिकल कॉलेजों का विशेष दर्जा खत्म न किया जाए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में रविवार को दोपहर 3:00 बजे ईको गार्डन में मेडिकल छात्रों ने ढफली बजाकर जोरदार प्रदर्शन किया। अम्बेडकर-नगर, कन्नौज, जालौन और सहार-नपुर स्थित राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों का विशेष दर्जा समाप्त किए जाने का विरोध किया। इन कॉलेजों में पुरानी व्यवस्था लागू रखने की मांग की।

छात्रों ने कहा कि इन मेडिकल कॉलेजों की स्थापना अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्रों को उच्च चिकित्सा शिक्षा में अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हुआ है। साल 2027 से यूपी रिजर्वेशन एक्ट 2006 को लागू किया जा रहा है, जिसके तहत 21% ही रिजर्वेशन मिलेगा। जबकि रिजर्वेशन की पुरानी प्रक्रिया के तहत 70% आरक्षण मिल रहा था।



डॉ. देवांश ने कहा कि संविधान ने SC/ST समेत कमजोर वर्गों के शैक्षिक एवं आर्थिक हितों को विशेष रूप से बढ़ावा देने की बात कही है। ऐसे में सरकार को इन मेडिकल कॉलेजों की मूल भावना और विशेष प्रावधानों की रक्षा करनी चाहिए।

संबंधित मामला जब हाई कोर्ट में गया तो वहां पर सिंगल बेंच ने इसके खिलाफ आदेश आया। इसके बाद मामला डबल मैच में भी गया और वहां भी फैसला हमारे खिलाफ आया। सरकार की तरफ से उचित पैरवी न होने की वजह से फैसला हमारे विरोध में आया।

फास्ट न्यूज

अयोध्या रोड पर जाम के 153 पॉइंट चिह्नित

लखनऊ। अयोध्या रोड पर जाम और ट्रैफिक की समस्या कम करने के लिए ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार की कवायद शुरू हो गई है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद ट्रैफिक पुलिस ने पॉलिटेक्निक से चिनहट तक करीब एक सप्ताह सर्वे किया। इस दौरान 10 अलग-अलग रूट और हिस्सों में 153 ऐसे पॉइंट चिह्नित किए गए, जहां ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार की जरूरत है। शनिवार को ट्रैफिक पुलिस, एलडीए, नगर निगम, पीडब्ल्यूडी और आरटीओ के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से इन सभी स्थानों का निरीक्षण किया।

गोमती थाने में सिपाही ने सुसाइड किया

लखनऊ। लखनऊ के गोमती नगर थाने में 2019 बैच के सिपाही ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव बैरक में फंदे से लटकता मिला। पुलिस ने फंदे से उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों को सूचना दे दी गई है। परिजन लखनऊ के लिए निकल चुके हैं।

मूल रूप से खिड़की चांदपुर, बिजनौर निवासी आकाश यादव (26) पुत्र अनिल यादव 2019 बैच के सिपाही थे। करीब 2 साल से गोमती नगर थाने में तैनात थे। थाने के अंदर बनी बैरक में ही रहते थे। रविवार शाम करीब 6 बजे बैरक में पंखे के सहारे चादर से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

काकोरी में कांग्रेस की जय हिंद पदयात्रा

लखनऊ। अगस्त क्रांति दिवस के मौके पर रविवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से जय हिंद पदयात्रा निकाली गई। हनीफ खान की ओर से आयोजित यह पदयात्रा हरदोई मेन रोड से शुरू होकर काकोरी स्थित शहीद स्मारक तक पहुंची। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम और प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पदयात्रा का नेतृत्व किया। काकोरी पहुंचने के बाद कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

'घर में चल रहा चर्च'

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । मोहनलालगंज के भदेशवा गांव में धर्मांतरण को लेकर रविवार दोपहर जमकर हंगामा हुआ। बजरंग दल और श्री राम सनातन सेवा समिति के लोगों ने घर अंदर चल रहे चर्च से लोगों को पकड़ लिया। इस दौरान कई लोग भाग गए। लोगों का कहना है मौके पर धार्मिक पुस्तक व धर्मांतरण के लिए दिए जाने वाला पानी मिला है।

मोहनलालगंज के सिसेंडी स्थित रायपुर भदेशवा गांव से रविवार दोपहर करीब 2 बजरंग दल और श्रीराम सनातन सेवा समिति को सूचना मिली कि गांव के अंदर एक मकान में चर्च संचालित हो रहा है। जहां पर धर्मांतरण का काम चल रहा है। हिंदू लोगों को प्रलोभन देकर ईसाई धर्म में परिवर्तन कराया जा रहा है।

सूचना पर संगठन मौके पर पहुंचे तो वहां पर एक पादरी मिला। जिसकी पहचान दौधन खेड़ा बरौली खलीलाबाद लखनऊ निवासी



चंद्रिका प्रसाद के रूप में हुई। संगठन ने हिंदू नाम रखने की वजह पूछी तो वह कुछ बता नहीं पाया। इसके बाद वहां पर काफी हंगामा हुआ। संगठन के लोगों ने कहा कि पादरी ने जानबूझ कर हिंदू नाम रखा है। इसी से झांसा देकर हिंदुओं का धर्मांतरण करा रहा है। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस सभी को मोहनलालगंज थाने ले गई। पुलिस लोगों से पूछताछ कर रही है। बजरंग दल जिला सुरक्षा प्रमुख लखनऊ धर्मेंद्र शर्मा ने बताया मौके पर एक डायरी मिली है, जिस पर किसी को दो बकरी, घर में पानी की टंकी व अन्य चीज देने की बात लिखी है। कई धार्मिक पुस्तक, जिसमें ईसाई धर्म के बारे में अच्छाइयां लिखे मिली हैं।

इस मामले में तहरीर लेकर थाने पहुंचे तो पुलिस का कहना है संगठन के जरिए तहरीर नहीं ली जा सकती है।

बजरंग दल और श्रीराम सनातन सेवा समिति का हंगामा

काकोरी शहीद स्मारक पर आयोजित हुआ श्रद्धांजलि कार्यक्रम, अखिलेश यादव ने क्रांतिकारियों के बलिदान को किया याद

काकोरी ट्रेन एक्शन की वर्षगांठ पर शहीदों को नमन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। काकोरी ट्रेन एक्शन की वर्षगांठ के अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले क्रांतिकारियों और शहीदों को नमन किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के वीरों का त्याग, साहस और संघर्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि देश की आजादी के लिए क्रांतिकारियों ने जिस साहस और त्याग का परिचय दिया, वह भारतीय इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है। उनके बलिदान और संघर्ष को कभी भुलाया नहीं जा सकता। स्वतंत्रता सेनानियों का जीवन देशवासियों को



राष्ट्रहित में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहेगा। कार्यक्रम में पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सोनू कनौजिया, स्नातक चुनाव प्रभारी टीबी सिंह यादव, विधानसभा मलिहाबाद अध्यक्ष सोनिश मौर्या, वीरेंद्र सिंह यादव, राजबाला रावत, विजयश्री गौतम, अभय मुलायम, हरिशंकर यादव, पूर्व चेयरमैन नजमी खां, रज्जनलाल यादव, संदीप यादव, इसहाक गाजी, हरिपाल यादव, आसिफ इश्तियाक, पप्पू यादव, इब्राहिम मंसूरी, इमरान मंसूरी, एडवोकेट अनिल यादव, एडवोकेट आदर्श सिंह, पिन्नु यादव, सतेंद्र रावत, जितेंद्र यादव, मनीष यादव, धारा सिंह, राजकमल, राजेश सविता, वीर सिंह यादव, चौधरी ज्ञान सिंह, सुशील मास्टर सहित बड़ी संख्या में पार्टी के नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके त्याग और बलिदान को नमन किया।

काकोरी शहीद स्मारक पर अर्पित किए श्रद्धासुमन

काकोरी स्थित शहीद स्मारक पर समाजवादी पार्टी की ओर से श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। अखिलेश यादव की ओर से पार्टी के जिलाध्यक्ष जयसिंह जयंत के नेतृत्व में देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले महान शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में सपा के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानियों को याद किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिलाने वाले काकोरी ट्रेन एक्शन ने देश के स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्जा दी थी।

युवक के पेट में रॉड घोंपकर मार डाला

दोस्त ने मां की पायल बेची तो कहा- घर में बता दूंगा, इसी पर बुलाकर हत्या की

तमसा संकेत, एजेंसी

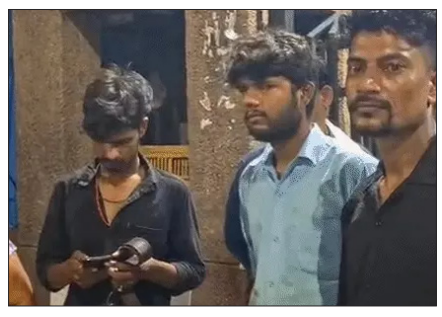
लखनऊ । लखनऊ में 26 साल के युवक के पेट में रॉड घोंपकर हत्या कर दी गई। उसके दोस्त ने अपनी मां की पायल बेची थी। जब यह बात उसे पता चली तो उसने दोस्त से कहा कि मैं तुम्हारे घर में बता दूंगा। इस पर दोस्त ने कहा कि जब जिंदा रहेगा, तब तो घर में बताएगा। इसके बाद दोस्त ने अपने पिता के साथ मिलकर उस पर हमला कर दिया। युवक का शव रविवार सुबह उसके घर के बाहर पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना मड़ियांव थाना क्षेत्र के मामा कॉलोनी फैजुल्लागंज की है। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। घटना से जुड़ी CCTV फुटेज भी सामने आई है। इसमें काली शर्ट में शुभम सोनी दिखाई पड़ रहा है। वह एक गली से बाहर की तरफ जाता है। इसके बाद दौड़ते हुए अंदर आता है। इसी बीच 2 लोग



उस पर हमला कर देते हैं। इस दौरान दूसरी तरफ से भी कुछ लोग भागते हुए आते हैं और शुभम के पेट में रॉड घुसेड़ देते हैं। इसके बाद सब एक-दूसरे को पकड़कर वापस निकलते दिखाई देते हैं। शुभम लड़खड़ाते हुए किसी तरह आगे बढ़ता है। चल नहीं पाता, तो दीवार का सहारा लेकर खड़ा हो जाता है। लहूलुहान हालत में शुभम बहुत देर तक खड़ा नहीं रह पाता। वह जमीन पर मुंह के बल गिर जाता है। मां मालती सोनी ने बताया- मेरे स्वस्थ बेटे को घर से शनिवार शाम 7 बजे बुलाकर ले गए थे। उन लोगों ने पहले बेटे शराब पिलाई। फिर बेटे को ईंट-पत्थर से मारा। इसके बाद उसके पेट में लोहे की रॉड घुसेड़ दी।

बेटा चारपहिया वाहन चलाने का काम करता था। इन दोस्तों के बीच में न जाने कौन-सी लड़ाई हुई कि उसे मारकर हमारे दरवाजे पर बॉडी फेंककर चले गए। बेटे का शव रविवार सुबह घर के बाहर पड़ा मिला।

> इस मामले में पुलिस का कहना है कि शुभम के भाई शिवम की शिकायत पर सुमित और उसके पिता मथुरा के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। दोनों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। पूछताछ और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।



शुभम ने ही बिकवाई थी पायल

कुछ दिन पहले सुमित ने एक पायल बेची थी। वह पायल शुभम ने ही बिकवाई थी। लेकिन, शुभम को कुछ दिन बाद पता चला कि सुमित ने अपनी मां की पायल बेची है। इस पर उसने सुमित से कहा कि तुम्हारी मां से बता दूंगा। तुमने मेरे जरिए उनकी पायल क्यों बिकवाई? इस बात से सुमित उससे गुस्सा हो गया। एक दिन दोनों के बीच जमकर झगड़ा हुआ। इसके बाद मामला शांत हो गया। लेकिन, सुमित ने शुभम से बदला लेने का मन बना लिया। वह शनिवार शाम शुभम को घूमने के बहाने घर से बुला ले गया। रात करीब 10 बजे सुमित ने पिता मथुरा के साथ मिलकर शुभम की हत्या कर दी।

गले मिलकर जेब से 35 हजार उड़ाने वाला गिरफ्तार

नशे की लत पूरी करने के लिए करता था चोरी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के कैसरबाग इलाके में गले मिलकर जेब से 35 हजार रुपए निकालने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से 5,250 रुपए नकद बरामद किए हैं। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसे नशे की आदत है। नशे के लिए पैसे की जरूरत होने पर वह चोरी करता था।

इंस्पेक्टर कैसरबाग अंजनी कुमार मिश्रा ने बताया 26 जून को फूलबाग निवासी गोपाल चौहान ने कैसरबाग थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि एक अज्ञात व्यक्ति ने उनसे हाथ मिलाने के बाद गले लगाया और इसी दौरान उनकी पिछली जेब से 35 हजार रुपए निकालकर भाग गया। मामले की जांच के दौरान पुलिस को आरोपी की पहचान साजमान उर्फ हबड़ी निवासी मछली मोहाल, कैसरबाग के रूप में हुई है। 8 अगस्त को मुखबिर ने



सूचना दी कि आरोपी सफेद बारादरी के पीछे वाली सड़क से परिवर्तन चौक की तरफ पैदल जा रहा है। सूचना पर कैसरबाग पुलिस बटलर पार्क के पीछे सड़क पर पहुंची और घेराबंदी कर आरोपी का इंतजार करने लगी। कुछ देर बाद सफेद हाफ टी-शर्ट और हाफ पैंट पहने एक युवक वहां पहुंचा। मुखबिर के इशारे पर पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो वह पीछे मुड़कर भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि करीब एक महीने पहले उसने स्कूटी से जा रहे एक व्यक्ति को रोककर बातचीत की थी।

दावा : कहा- मेरी कार पर 'पास' लगवाया, पीएचडी की फीस आधी कराने की सिफारिश की

विधायक पर गंदी हरकत का आरोप, महिला ने सबूत दिखाए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । सुल्तानपुर सदर से भाजपा विधायक विनोद सिंह पर रेप की कोशिश का आरोप लगा है। विधायक ने सफाई दी कि मैं तो महिला को जानता तक नहीं हूं, रेप तो दूर की बात है। महिला ने दावा किया कि विधायक झूठ बोल रहे हैं।

उन्होंने सबूत दिखाकर दावा किया कि विधायक उसे जानते थे। भाजपा विधायक के खिलाफ दिल्ली में केस दर्ज हो चुका है। इससे पहले विधायक ने लखनऊ में महिला और उनके पति के खिलाफ जालसाजी की कोशिश का केस दर्ज कराया था। वह आरोप लगाती हैं- विधायक ने मुझे प्रभावित करने के लिए यह सब किया। उस वक्त मुझे समझ नहीं आ रहा था



कि वह ऐसा क्यों कर रहे? लेकिन, जब उन्होंने मेरे साथ यह सब किया, तब मुझे समझ आया कि वह क्या चाहते थे? अब मैं चाहती हूं कि उनके खिलाफ कार्रवाई हो। महिला कहती हैं- 3 जून, 2026 को मैं अपनी बेटी के साथ अपने फ्लैट पर थी। रात करीब साढ़े 10 बजे विधायक के गनर धनंजय यादव हमारे फ्लैट पर आए। उन्होंने कहा कि विधायकजी आपको बुला रहे हैं। एक मामले पर बात करनी है। कल उनकी दिल्ली में मीटिंग है। मैंने जवाब दिया- मेरे हसबैंड नहीं हैं, मैं



बोलीं- मैं 7वें फ्लोर पर, विधायक चौथे फ्लोर पर रहते थे

हमने महिला से पूछा- विधायक से आपका संपर्क कैसे हुआ? क्या इससे पहले भी विधायक ने कभी इस तरह की हरकत की थी? वह कहती हैं- विधायक हमारे ही क्षेत्र के हैं। उनके घर से करीब 2 किमी दूर मेरा घर है। मेरी ससुराल भी पास में ही है। मैं उन्हें लंबे समय से जानती हूं, लेकिन पिछले 2 साल से हमारी जान-पहचान ज्यादा बढ़ गई थी। उन्होंने अपनी बेटी की शादी की, तो हमें विशेष तौर पर बुलाया था। इसके बाद जब भी घर पर कुछ होता, तो मिठाई भिजवाते थे। 2-3 बार हम उनके लखनऊ वाले फ्लैट पर भी गए, लेकिन तब मेरे पति साथ होते थे।

नहीं जा पाऊंगी। उन्होंने कहा कि कोई दिक्कत नहीं है, आप चलिए। फिर मैं उनके साथ विधायक के फ्लैट पर चली गई। धनंजय गेट के बाहर ही रुक गए, मैं अंदर पहुंची। विधायक कमरे में बैठे शराब पी रहे थे। उस वक्त वो नशे में थे। उन्होंने कहा कि तुम्हें देखने के बाद मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या करूं? तुम मेरी भावनाओं को समझ नहीं पा रही हो।

> विधायक का आरोप है कि महिला के पति ने अपने भाई को आईएएस बताकर मिलवाया था। इस हाईप्रोफाइल मामले को समझने के लिए हमने महिला से बात की।

गांव-गांव अमृत सरोवरों पर लहराएगा तिरंगा, मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस

हर घर तिरंगा अभियान के तहत सभी अमृत सरोवरों पर होगा ध्वजारोहण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने स्वतंत्रता दिवस को समारोह पूर्वक पूरे उत्साह, उल्लास व उमंग के वातावरण मे भव्य तरीके से मनाने के लिये ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं। उपमुख्यमंत्री के निर्देश के क्रम में, ग्राम्य विकास की ओर से समस्त जनपदों को आवश्यक दिशा निर्देश निर्गत कर दिये गये हैं। स्वतंत्रता दिवस के उत्सव में सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो सके इस हेतु विभाग की ओर से संबंधित अधिकारियों/कर्मचा-रियों को ससमय तैयारी करने और कार्यक्रम आयोजित कराने के निर्देश जारी कर दिये गये हैं। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में



आयोजित हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में प्रत्येक अमृत सरोवरों पर ध्वजारोहण का कार्यक्रम किया जाएगा, ध्वजारोहण के कार्यक्रम से पूर्व ग्राम पंचायत के माध्यम अमृत सरोवरों की विधिवत अभियान चलिकर साफ़ सफाई करायी जाय और राष्ट्रप्रेम की भावना से परिपूर्ण अन्य राष्ट्रोत्प्रेरक कार्यक्रम आयोजित किए जांय।प्रदेश की ग्राम पंचायतों में निर्मित और विकसित किये गये सभी अमृत सरोवर स्थलों और तालाबों पर ध्वजारोहण कार्यक्रम कराने के निर्देश दिये गये हैं।

- अमृत सरोवरों पर गूंजेगा राष्ट्रप्रेम, स्वतंत्रता दिवस पर होंगे भव्य आयोजन
- हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत सभी अमृत सरोवरों पर होगा ध्वजारोहण
- स्वतंत्रता दिवस पर अमृत सरोवरो पर राष्ट्र प्रेम की भावना से परिपूर्ण कार्यक्रमों की होगी गूंज।
- गांवों में बने अमृत सरोवरों पर मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस, किया जायेगा झण्डा रोहण

निदेशक बोले- फेक न्यूज वायरस, पत्रकारों की भूमिका अहम बताई

पीआईबी की मीडिया कार्यशाला

आयोजन

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), लखनऊ ने बाराबंकी के लोक-सभागार कलेक्ट्रेट में पत्रकारों के लिए 'वार्तालाप' नामक एक मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया। रविवार दोपहर 12:00 बजे आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य फेक न्यूज और भ्रामक सूचनाओं की पहचान, फैक्ट-चेकिंग के तरीके, डिजिटल टूल्स का उपयोग तथा केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं और उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्रदान करना था। पीआईबी लखनऊ के निदेशक दिलीप कुमार शुक्ल ने



इस अवसर पर कहा कि फेक न्यूज एक वायरस की तरह है, जो तेजी से फैलकर समाज को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। उन्होंने पत्रकारों के लिए खबर प्रकाशित करने से पहले तथ्यों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि करने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य अतिथि पद्मश्री किसान रामसरन वर्मा ने कृषि नीति के प्रमुख उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि किसान की आय, सुरक्षा, सिंचाई, बाजार तक पहुंच और आधुनिक तकनीक का उपयोग सुनिश्चित करना कृषि नीति का मुख्य लक्ष्य है। वर्मा ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के उद्देश्यों की भी जानकारी दी। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने पीआईबी की इस पहल की सराहना की, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के पत्रकारों को फेक न्यूज के प्रति जागरूक करने के प्रयासों की। उन्होंने सुझाव दिया कि 'वार्तालाप' जैसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाने चाहिए, ताकि पत्रकार बदलते डिजिटल परिदृश्य के अनुरूप अपने कौशल को निखार सकें।

लखनऊ विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर मुकुल श्रीवास्तव ने कार्यशाला में वायरल फोटो, वीडियो और सोशल मीडिया पोस्ट की सत्यता जांचने के व्यावहारिक तरीके बताए। उन्होंने स्रोतों की पुष्टि करने और डिजिटल टूल्स के माध्यम से फैक्ट-चेकिंग के महत्व पर जोर दिया।



66 जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार पाठक ने कहा कि पत्रकार केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. राजीव कुमार सिंह ने बताया कि पत्रकार स्वास्थ्य योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के साथ-साथ व्यवस्थाओं की कमियों को भी उजागर करते हैं, कार्यशाला के दौरान पत्रकारों को केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों से संबंधित तथ्यात्मक और प्रमाणित जानकारी भी उपलब्ध कराई गई।

करणी सेना की बैठक में कई फैसले

ईडब्ल्यूएस, यूजीसी मुद्दों पर जागरूकता अभियान चलाने का ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना की जिला कार्यकारिणी की बैठक रविवार को हुई। इसमें संगठन विस्तार के साथ ईडब्ल्यूएस आरक्षण की कथित विसंगतियों, यूजीसी से जुड़े मुद्दों, सामान्य वर्ग के लिए आयु सीमा में छूट और इतिहास से कथित छेड़छाड़ जैसे विषयों पर चर्चा की गई। बैठक के बाद पदाधिकारियों ने पत्रकारों को इसकी जानकारी दी। वक्ताओं ने कहा कि संगठन सामाजिक मुद्दों को लेकर लोगों को जागरूक करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक दल धर्म, जाति और इतिहास के नाम पर समाज को बांटने का काम कर रहे हैं। बैठक में यूजीसी से जुड़े कथित 'काले कानून' का मुद्दा भी उठाया गया। ईडब्ल्यूएस आरक्षण में जमीन, प्लॉट और



मकान से संबंधित शर्तों में बदलाव तथा सामान्य वर्ग को पांच वर्ष की आयु सीमा में छूट देने की मांग पर भी चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने कहा कि इन मुद्दों को लेकर संगठन जागरूकता अभियान चलाएगा। बैठक में इतिहास से कथित छेड़छाड़ को लेकर भी वक्ताओं ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि अलग-अलग जातियों के महापुरुषों को लेकर विवाद पैदा होने से सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो रहा है। लोगों से सामाजिक एकजुटता बनाए रखने की अपील की गई।

फास्ट न्यूज

पोनी रोड चौड़ीकरण धीमा, कारोबार प्रभावित

उन्नाव। उन्नाव में पोनी रोड चौड़ीकरण का कार्य धीमी गति से चल रहा है, जिससे स्थानीय व्यापारियों का कारोबार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा पिछले माह शुरू किया गया अतिक्रमण हटाओ अभियान भी अधर में लटक गया है। रविवार को स्थानीय दुकानदारों ने पीडब्ल्यूडी विभाग पर अनदेखी का आरोप लगाया है। पीडब्ल्यूडी ने 18 जुलाई को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की थी।

हरदोई कावड़ यात्रा में पीएम-सीएम के रूप में शिवभक्त

भव्य झांकियों और फूल बरसाए के साथ उमड़ा आस्था का जनसैलाब

- कावड़ यात्रा में आग का करतब करते नजर आए युवक।
- कई युवक योगी-मोदी के अवतार में नजर आए।

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में सावन माह के दौरान रविवार दोपहर 12:30 एक भव्य कावड़ यात्रा निकाली गई। शहर के छोटे चौराहे से शुरू हुई इस यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के रूप में सजे शिवभक्त मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे। उन्हें देखने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बुलडोजर पर बैठे बावन चुंगी



निवासी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का रूप धारण पप्पू लोगों का अभिवादन करते रहे। ढोल-नगाड़ों की थाप और 'बम-बम भोले' के जयकारों के बीच इन शिवभक्तों ने राह चलते लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। इस यात्रा में भक्ति और राष्ट्रभाव का संगम देखने को मिला, जिससे पूरा शहर शिवमय हो गया। इस कावड़ यात्रा का आयोजन पप्पू, विजय शंकर, रविंदर, संजय, मनीष, इशू, राजू, सुनील, राजकुमार, दयानंद और अमित सहित अन्य भक्तों की देखरेख में किया गया। यात्रा में भगवान श्री राम, श्री गणेश और हनुमान जी की भी झांकियां शामिल थीं, जिन्होंने श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित किया। मुख्यमंत्री का रूप धारण किए पप्पू ने कहा वह मुख्यमंत्री की कार्यशैली से प्रभावित हैं। इसलिए हर बार कावड़ यात्रा में वह मुख्यमंत्री का ही रूप धारण करते हैं। 2027 में फिर से वह योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। यह यात्रा छोटे चौराहे से शुरू होकर बड़ा चौराहा, सिनेमा चौराहा, जिद्दी चौराहा, सर्कुलर रोड, रफी अहमद किदवई चौराहा और मुन्ना चौराहा होते हुए बिलग्राम के पवित्र राजघाट की ओर बढ़ी।

बाराबंकी में टोल प्लाजा के पास हुआ हादसा, लखनऊ से लौट रहे थे तीनों बाइक सवार

अज्ञात वाहन की टक्कर से मां की मौत, पिता-पुत्री घायल

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के हैदरगढ़ क्षेत्र में नेशनल हाईवे-731 पर बारा टोल प्लाजा के पास रविवार को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार परिवार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके पति और बेटी घायल हो गए। दुर्घटना के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, असंदरा थाना क्षेत्र के नई सड़क निवासी जुल्फिकार रविवार को अपनी पत्नी रिहाना बानो और बेटी निशा बानो के साथ बाइक से लखनऊ से



वापस घर लौट रहे थे। परिवार लखनऊ-सुल्तानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग से होकर हैदरगढ़ की ओर जा रहा था। जैसे ही वे बारा टोल प्लाजा के पास पहुंचे, पीछे से तेज गति से आ रहे अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि दुर्घटना में शामिल वाहन और उसके चालक का पता लगाया जा सके।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक अनिल पांडे ने बताया कि हादसे के बाद फरार हुए अज्ञात वाहन की पहचान और तलाश की जा रही है।

टक्कर के बाद बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गिरा

टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई और तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल एंबुलेंस को सूचना दी और तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरगढ़ पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने रिहाना बानो को जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। वहीं, जुल्फिकार और उनकी बेटी निशा बानो को मामूली चोटें आई थीं। दोनों का प्राथमिक उपचार किया गया, जिसके बाद चिकित्सकों ने उन्हें घर भेज दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक अनिल पांडे ने बताया कि हादसे के बाद फरार हुए अज्ञात वाहन की पहचान और तलाश की जा रही है।

2 युवक बाइक से किशोरी को ले गए

हरदोई। हरदोई के मझिला थाना क्षेत्र में 15 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाकर ले जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि बाइक सवार दो युवक किशोरी को अपने साथ ले गए। परिजनों का दावा है कि किशोरी घर से 40 हजार रुपये नकद और सोने-चांदी के जेवर भी साथ ले गई।

बेटी की तलाश में आरोपियों के गांव पहुंचे पिता और परिजनों के साथ गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। पुलिस ने शनिवार शाम 6:28 बजे मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एक रात 6 घरों में चोरी

जली कटने पर वारदात, लाखों के जेवर-नकदी ले गए चोर

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई देहात कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला न्यू पोहकर पुरवा में शनिवार रात छह घरों में चोरी हो गई। चोर लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवर और नकदी लेकर फरार हो गए। इस घटना ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। चोरी की वारदात के समय सभी घरों में परिवार के सदस्य मौजूद थे। वे अलग-अलग कमरों या छतों पर सो रहे थे, लेकिन किसी को भी चोरों की मौजूदगी का पता नहीं चला। सुबह जागने पर घरों का सामान बिखरा देखकर चोरी का खुलासा हुआ। हिमांशु बाजपेई के घर में उनकी मां और पत्नी छत पर सो रही थीं। रात करीब एक बजे बिजली जाने के बाद चोर छत के रास्ते घर में घुसे। वे एक बक्सा उठाकर खेतों की ओर ले गए, जहां उसका कुंडा तोड़कर उसमें रखे करीब 20 हजार रुपये नकद, सोने की तीन पेंडिल माला, एक अन्य पेंडिल माला, एक जोड़ी सोने की चूड़ी और अंगूठी चुरा ली। चोरों ने





चांदी की दो जोड़ी पायल और तीन जोड़ी बिछिया भी चुराईं। पड़ोसी संजय पाल के घर से सोने के कुंडल, अंगूठी, पेंडिल, ओम लॉकेट, चांदी की पायल और अंगूठी सहित 2,600 रुपये नकद चोरी हुए। सुनील कुमार के घर से लगभग 150 ग्राम चांदी की पायल, पांच जोड़ी बिछिया और पांच हजार रुपये नकद चुराए गए।

तेंदुओं के डर से घरों में कैद लोग

मुरादाबाद। "तीन दिन पहले तेंदुए ने एक महिला को नोंचकर मार डाला, एक किसान को घायल कर दिया। गुरुवार दोपहर 2 बजे दो तेंदुए घूमते हुए देखे गए। वन विभाग के कर्मचारी वहीं थे।शाम लगभग 7.30 बजे तीसरा तेंदुआ भी आ गया। ये तीनों तेंदुए रात 9 बजे तक आराम से बैठे रहे। अगर वन विभाग चाहता, तो आसानी से पकड़ लेता। समझ नहीं आ रहा कि ये वन विभाग वाले इस 'लालापुर' में तेंदुए पकड़ रहे या पाल रहे हैं।''

कानपुर-लखनऊ हाईवे पर भारी वाहनों की एंट्री बंद, रविवार सुबह से सोमवार रात 8 बजे तक लागू रहेगा प्रतिबंध

दूसरे सोमवार पर ट्रैफिक डायवर्जन

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। सावन के दूसरे सोमवार को कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए उन्नाव जिला प्रशासन ने यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। कांवड़ियों की सुरक्षित आवाजाही और हाईवे पर जाम की स्थिति से बचने के लिए कानपुर-लखनऊ हाईवे पर भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। यह व्यवस्था रविवार सुबह से सोमवार रात 8 बजे तक लागू रहेगी। इस दौरान कानपुर की ओर से आने वाले भारी वाहनों को सीधे लखनऊ की ओर जाने की अनुमति नहीं होगी। प्रशासन ने वाहनों को निर्धारित डायवर्जन प्वाइंट से वैकल्पिक मार्गों पर भेजने की व्यवस्था की है। साथ ही हाईवे से लेकर गंगा घाटों और कांवड़ियों के प्रमुख मार्गों तक पर्याप्त पुलिस



बल तैनात किया गया है। जिलाधिकारी घनश्याम मीना और पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने जिले के विभिन्न डायवर्जन प्वाइंट का निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों से यातायात व्यवस्था की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों को निर्देश दिया कि डायवर्जन के दौरान किसी भी भारी वाहन को प्रतिबंधित मार्ग पर प्रवेश न करने दिया जाए। साथ ही कांवड़ियों के मार्ग में किसी प्रकार का व्यवधान न हो, इसका विशेष ध्यान रखने को कहा गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कांवड़ियों की सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रामादेवी से फतेहपुर की ओर डायवर्ट होंगे भारी वाहन

यातायात व्यवस्था के तहत कानपुर की ओर से आने वाले अधिकांश भारी वाहनों को रामादेवी से ही फतेहपुर की ओर डायवर्ट किया जाएगा। इससे कानपुर-लखनऊ हाईवे पर भारी वाहनों का दबाव कम रहेगा और कांवड़ियों के आवागमन के लिए रास्ता सुरक्षित बनाया जा सकेगा। यदि कोई भारी वाहन प्रतिबंधित मार्ग में प्रवेश करता है तो उसे गदनखेड़ा चौराहा से लालगंज की ओर भेजा जाएगा। वहीं दही तिराहा से आने वाले वाहनों को पुरवा-मोहनलालगंज की ओर डायवर्ट किया जाएगा। प्रशासन का उद्देश्य हाईवे पर भारी वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करना है, ताकि कांवड़ियों और अन्य श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो।

संवेदनशील स्थानों पर पुलिसकर्मियों को लगातार निगरानी रखने और जरूरत पड़ने पर तत्काल यातायात व्यवस्था संभालने के निर्देश दिए गए हैं। कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए जिले के प्रमुख गंगा घाटों पर भी पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा।



इन थाना क्षेत्रों में पुलिस रहेगी अलर्ट

सावन के दूसरे सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा घाटों पर पहुंचकर जल भरेंगे और कांवड़ लेकर शिवालयों की ओर रवाना होंगे। इसे देखते हुए गंगाघाट, सदर कोतवाली, अचलगंज, दही, अजगैन और सोहरामऊ थाना पुलिस को अलर्ट पर रखा गया है।

पुलिसकर्मियों को हाईवे, प्रमुख चौराहों और कांवड़ियों के आवागमन वाले रास्तों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा यातायात पुलिस को भी स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय बनाकर व्यवस्था संभालने को कहा गया है।

आयोजन : परियर से बड़े चौराहे तक यात्रा, 11 अगस्त को होगी प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा

50 किमी निकलेगी शिव शोभायात्रा

तमसा संकेत, एजेंसी

विधायक ने जानकारी दी कि बड़े चौराहे पर पहले से भगवान शिव की प्रतिमा स्थापित थी। आमजन की मांग पर क्षेत्र का सौंदर्यीकरण कराया गया है और अब यहां भोले बाबा की प्रतिमा का भव्य स्वरूप स्थापित किया जा रहा है।



उन्नाव। उन्नाव में सावन मास की मासिक शिवरात्रि के अवसर पर 11 अगस्त को एक विशाल शिव शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा परियर स्थित बाबा बालखंडेश्वर मंदिर से शुरू होकर उन्नाव शहर के बड़े चौराहे तक 50 किलोमीटर का सफर तय करेगी। बड़े चौराहे पर भगवान शिव की भव्य प्रतिमा की स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया जाएगा। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने रविवार को अपने कार्यालय में बताया कि शोभायात्रा 11 अगस्त, मंगलवार को सुबह 10 बजे परियर के बालखंडेश्वर मंदिर से प्रारंभ होगी। यात्रा का समापन बड़े चौराहे पर भगवान शिव की प्रतिमा की स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा के साथ होगा। शोभायात्रा परियर के बालखंडेश्वर मंदिर से शुरू होकर बहरौला, हाजीपुर, बसधना, फतेहपुर, पिपरी, बनी, पिंडोखा, देवारा, सहजनी होते हुए गंगाघाट और शुक्लागंज के रास्ते उन्नाव पहुंचेगी। इसके बाद यह बड़े चौराहे पर समाप्त होगी। यात्रा के मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा स्वागत और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शोभायात्रा में भगवान शिव की आकर्षक झांकियां और धार्मिक-सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल होंगी। विभिन्न स्थानों पर जलाभिषेक, भंडारे और आध्यात्मिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। बड़े चौराहे पर शोभायात्रा के पहुंचने के बाद भगवान शिव की प्रतिमा की विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा और स्थापना की जाएगी। इसके उपरांत भव्य आरती का आयोजन होगा। आयोजकों ने अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालुओं से शोभायात्रा में शामिल होने की अपील की है। विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि सावन के पवित्र महीने में बड़े चौराहे पर भोले बाबा की प्रतिमा की पुनः स्थापना उन्नाव के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल धार्मिक दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ी को सनातन धर्म, संस्कृति और उसके मूल्यों से जोड़ने का माध्यम भी बनेगा। प्रेसवार्ता के दौरान विधायक ने भगवान शिव के समुद्र मंथन से जुड़े प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि शिव ने विषपान कर समाज को त्याग और परोपकार का संदेश दिया। उनके अनुसार भगवान शिव का जीवन यह प्रेरणा देता है कि मनुष्य को केवल अपने लिए नहीं, बल्कि समाज के लिए भी जीवन जीना चाहिए। उन्होंने वर्तमान समय में पारिवारिक संस्कारों में आ रही गिरावट पर भी चिंता जताई। विधायक ने एक वृद्ध व्यक्ति की वृद्धाश्रम में मृत्यु और अंतिम संस्कार में बेटियों के शामिल न होने से जुड़ी घटना का उदाहरण देते हुए कहा कि बच्चों में बुजुर्गों के प्रति सम्मान और सेवा की भावना पैदा करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को संस्कारों और सामाजिक मूल्यों से जोड़ने का प्रयास किया जाना चाहिए। शिव शोभायात्रा को लेकर परियर से उन्नाव तक तैयारियां तेज कर दी गई हैं। यात्रा मार्ग में श्रद्धालुओं के स्वागत, जलाभिषेक और भंडारे की तैयारियां की जा रही हैं।

संत रविदास जयंती पर निकली कलश वंदन यात्रा

सुलतानपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने लिया सक्रिय हिस्सा

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुलतानपुर के लंभुआ विधानसभा क्षेत्र के प्रतापपुर कमैचा में रविवार 1:30 बजे संत रविदास जयंती के अवसर पर कलश वंदन यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जनप्रतिनिधियों, जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। यह कलश वंदन यात्रा सुलतानपुर स्थित जिला भाजपा कार्यालय से शुरू हुई। यह विभिन्न मंडलों से होते हुए आगे बढ़ी। यात्रा अमरुपुर मंडल से शुरू होकर रामपुर और बधुपुर कोथरा से गुजरी। इसके बाद यह आईटीआई कॉलेज चांदा प्रतापपुर कमैचा पहुंची। यहां कलश यात्रा को प्रतापपुर कमैचा मंडल के पदाधिकारियों को सौंपा गया। यात्रा का समापन आज शाम विधानसभा स्तर पर किया जाएगा। इस कार्यक्रम में भाजपा विधायक सीताराम वर्मा के



प्रतिनिधि पंकज पटेल, वरिष्ठ नेता लक्ष्मीकांत दुबे, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष एवं ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अरुण जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष अखिलेश जायसवाल और कार्यक्रम संयोजक रामेंद्र सिंह सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। अमरुपुर मंडल अध्यक्ष मुकेश चंद्र तिवारी, महामंत्री अशोक सिंह, देवी प्रसाद वर्मा, मंडल के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और बूथ अध्यक्षों ने भी यात्रा में सहभागिता की। यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने संत रविदास के विचारों और सामाजिक समरसता के संदेश को आम जनता तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

सार्वजनिक सूचना

मैं, यासिर खान, निवासी 433/598/03, राम नगर, सआदतगंज, लखनऊ-226003, यह सार्वजनिक सूचना देता हूँ कि मेरी शैक्षिक मार्कशीट में मेरे पिता का नाम "FAIYAZ AHMAD" अंकित है, जबकि मेरे अन्य सभी दस्तावेजों एवं अभिलेखों में मेरे पिता का नाम "FAIYAZ AHMAD KHAN" अंकित है।

अतः मैं घोषित करता हूँ कि "FAIYAZ AHMAD" एवं "FAIYAZ AHMAD KHAN" दोनों नाम मेरे पिता के ही नाम हैं तथा दोनों नाम एक ही व्यक्ति को संदर्भित करते हैं। भविष्य में किसी भी सरकारी, गैर-सरकारी, शैक्षिक अथवा अन्य प्रयोजन हेतु उक्त दोनों नामों को एक ही व्यक्ति के नाम के रूप में माना जाए।

आवेदक
यासिर खान
पता: 433/598/03,
राम नगर, सआदतगंज,
लखनऊ-226003

सम्पादकीय

परिसीमन बिल के आसार





शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करने के बाद महिला आरक्षण से जुड़े परिसीमन विधेयक का समर्थन करने की घोषणा एक ओर जहां यह बताती है कि दोनों पुराने सहयोगी दल करीब आ रहे हैं, वहीं यह भी कि मोदी सरकार उक्त विधेयक को शीघ्र ही पारित कराने को लेकर गंभीर है। हालांकि शिरोमणि अकाली दल का लोकसभा में एक ही सांसद है, लेकिन उसकी ओर से परिसीमन बिल का समर्थन करने की घोषणा इस संविधान संशोधन विधेयक के पक्ष में माहौल बनाने का काम करेगी। यह उल्लेखनीय है कि जब संसद के बजट सत्र में इस विधेयक को लाया गया था, तब शिरोमणि अकाली दल ने उसका विरोध किया था। जैसे इस दल ने अपना रवैया बदला, वैसे ही कुछ अन्य दल भी बदल सकते हैं।

इसके संकेत भी मिल रहे हैं। इसके अतिरिक्त तथ्य यह भी है कि बजट सत्र के मुकाबले मानसून सत्र आने तक संसद की तस्वीर बदल चुकी है। तृणमूल कांग्रेस में टूट हो चुकी है और उसके 20 लोकसभा सदस्य एक नए दल का हिस्सा बनकर भाजपा के नेतृत्व वाले राजग का हिस्सा बन चुके हैं। इसके अतिरिक्त उद्धव ठाकरे की शिवसेना के भी कई सांसद भाजपा की सहयोगी शिवसेना में शामिल हो चुके हैं। आश्चर्य नहीं कि कांग्रेस से छिटक चुकी द्रमुक भी अपना रवैया बदल ले और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी। इससे सरकार का काम आसान हो सकता है।

यदि सभी राजनीतिक दल लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू होते हुए सचमुच देखना चाहते हैं तो उन्हें दलगत राजनीति से ऊपर उठकर परिसीमन विधेयक का समर्थन करना ही होगा। जब सरकार सभी राज्यों की लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत की वृद्धि करने पर सहमत हो गई है, तब फिर परिसीमन विधेयक के विरोध का कोई औचित्य नहीं रह जाता। यदि परिसीमन विधेयक पारित नहीं होता तो महिला आरक्षण को 2029 तक लागू करने का संसद का वादा पूरा नहीं होगा।

यदि ऐसा नहीं होता तो आधी आबादी के सवालों का सामना सत्तापक्ष के साथ विपक्ष को भी करना होगा। सभी राज्यों की लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत की वृद्धि के प्रस्ताव के बाद विपक्ष की यह दलील खोखली हो जाती है कि कुछ राज्यों और विशेष रूप से दक्षिण के राज्यों के साथ अन्याय होगा। विपक्ष को समझना होगा कि आबादी कम करने में सफल रहे राज्यों को राजनीतिक नुकसान तो तब होगा, जब परिसीमन नई जनगणना के बाद लागू होगा।

वर्तमान परिस्थितियों में यही उचित है कि परिसीमन विधेयक को संसद से पारित कर महिला आरक्षण को लागू करने का रास्ता साफ किया जाए। इसमें जितना अधिक विलंब होगा, महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में उचित प्रतिनिधित्व देने में उतनी ही देरी होगी।

लखनऊ निराश्रित महिला पेंशन योजना महिलाओं के सम्मान और सामाजिक सुरक्षा की सशक्त पहल



66

इस योजना का मुख्य उद्देश्य निराश्रित महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता देकर उनके जीवन-यापन को सुगम बनाना है। समाज के कमजोर वर्गों की महिलाएं, विशेषकर विधवाएं, अक्सर परिवार और समाज में उपेक्षा का सामना करती है। कई बार उन्हें बुनियादी जरूरतों के लिए भी संघर्ष करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में पेंशन सहायता उनके लिए एक स्थायी सहारा बनती है।

समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए सरकार द्वारा समय-समय पर अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जाती रही हैं। इनमें महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं का विशेष महत्व है। महिलाओं, विशेषकर निराश्रित, विधवा एवं आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना एक संवेदनशील और महत्वपूर्ण दायित्व है। इसी उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निराश्रित महिला पेंशन योजना संचालित की जा रही है, जो जरूरतमंद महिलाओं के लिए सहारा और सम्मान दोनों का माध्यम बनी है।

निराश्रित महिला पेंशन योजना समाज की उन महिलाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिनके पति की मृत्यु हो चुकी है अथवा जो किसी कारणवश निराश्रित जीवन व्यतीत कर रही है और जिनके पास आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं है। ऐसी महिलाएं अक्सर आर्थिक कठिनाइयों, सामाजिक असुरक्षा और जीवन-यापन की चुनौतियों से जूझती हैं। ऐसे समय में यह योजना उनके लिए आर्थिक सहायता और सामाजिक सुरक्षा का आधार प्रदान करती है। उत्तर प्रदेश सरकार की यह योजना निराश्रित महिलाओं को मासिक पेंशन के रूप में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मसम्मान के साथ जीवन यापन करने में सहयोग देती है। वर्तमान में पात्र लाभार्थियों को प्रतिमाह 1000 रुपये पेंशन प्रदान की जा रही है।

यदि आंकड़ों की बात करें तो इस योजना का दायरा निरंतर बढा है। वर्ष 2016-17 में लगभग 17.31 लाख महिलाएं इस योजना से लाभान्वित थी, जबकि 2025 तक यह संख्या बढ़कर 34 लाख से अधिक हो गई है। यह वृद्धि दर्शाती है कि सरकार ने लाखों नई पात्र महिलाओं को योजना से जोडा है। हालिया बजटीय प्रावधानों में 2025-26 में 38.58 लाख लाभार्थियों तक योजना का विस्तार दर्शाया गया है तथा इसके लिए 3500 करोड़ रुपये का प्रावधान भी प्रस्तावित किया गया। ये आंकडे योजना के व्यापक प्रभाव को प्रमाणित करते हैं। योजना के अंतर्गत पेंशन राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाती है, जिससे पारदर्शिता बनी रहती है और बिचौलियों की भूमिका समाप्त होती है। डीबीटी व्यवस्था ने योजना को अधिक प्रभावी और भरोसेमंद बनाया है। इससे लाभार्थियों को समय पर सहायता प्राप्त होती है और योजना की पारदर्शिता सुनिश्चित होती है।

निराश्रित महिला पेंशन योजना महिलाओं को केवल आर्थिक मदद ही नहीं देती, बल्कि उनके आत्मसम्मान की रक्षा भी करती है। समाज में अनेक ऐसी महिलाएं हैं, जो पति के निधन के बाद आर्थिक संकट में फंस जाती है। ऐसी स्थिति में यह पेंशन उनके लिए जीवन-यापन का आधार बनती है। इससे उन्हें दूसरों पर निर्भरता कम करनी पड़ती है और आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर मिलता है। यह योजना महिलाओं के सामाजिक सशक्तिकरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आर्थिक सहायता मिलने से महिलाएं अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति स्वयं कर पाती है, जिससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है। यह सहायता उन्हें समाज में सम्मानजनक स्थिति बनाए रखने में भी मदद करती है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस योजना का विशेष महत्व है, जहां बड़ी संख्या में विधवा और निराश्रित महिलाएं आर्थिक कठिनाइयों का सामना करती है। पेंशन राशि भले सीमित हो, लेकिन यह उनके लिए दवा, भोजन, वस्त्र और अन्य बुनियादी जरूरतों की पूर्ति में सहायक सिद्ध होती है। ग्रामीण गरीब महिलाओं के लिए यह योजना जीवनरेखा जैसी साबित हुई है। यह योजना सामाजिक न्याय की अवधारणा को भी मजबूत करती है। समाज के कमजोर और उपेक्षित वर्गों की महिलाओं तक सरकारी सहायता पहुंचाकर यह योजना समावेशी विकास की भावना को साकार करती है। यह सरकार की संवेदनशीलता और महिला कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का उदाहरण है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने योजना के संचालन में तकनीकी और प्रशासनिक सुधारों पर भी बल दिया है। ऑनलाइन आवेदन, सत्यापन प्रक्रिया और डिजिटल भुगतान जैसी व्यवस्थाओं से योजना का लाभ अधिक सुगमता से लाभार्थियों तक पहुंच रहा है। इससे पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों में वृद्धि हुई है।

आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाना भी इस योजना की महत्वपूर्ण विशेषता है। पात्र महिलाएं ऑनलाइन या संबंधित विभाग के माध्यम से आवेदन कर सकती है। आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेज, जैसे आय प्रमाणपत्र, पति का मृत्यु प्रमाणपत्र, बैंक खाता विवरण आदि प्रस्तुत किए जाते हैं। सत्यापन के बाद पात्र महिलाओं को योजना से जोड़ा जाता है।

सरकार द्वारा समय-समय पर शिविरों, जनजागरूकता कार्यक्रमों और ग्राम स्तर पर प्रचार-प्रसार के माध्यम से अधिकाधिक पात्र महिलाओं तक योजना की जानकारी पहुंचाई जाती है। इससे वे महिलाएं भी लाभ ले पा रही हैं, जो पहले जानकारी के अभाव में वंचित रह जाती थीं।

इस योजना का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि यह महिलाओं को सम्मानपूर्वक जीवन जीने की प्रेरणा देती है। आर्थिक सहायता मिलने से महिलाएं अपनी छोटी-बड़ी जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहतीं। इससे उनमें आत्मनिर्भरता की भावना विकसित होती है।

राज्य सरकार द्वारा महिला कल्याण के क्षेत्र में संचालित अन्य योजनाओं के साथ निराश्रित महिला पेंशन योजना एक मजबूत सामाजिक सुरक्षा ढांचे का निर्माण करती है। यह योजना महिलाओं के लिए सुरक्षा, सम्मान और सहयोग का प्रतीक बन चुकी है।

योजना के प्रभाव को आंकड़ों से भी समझा जा सकता है। यदि 34 लाख से अधिक महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की पेंशन दी जा रही है, तो यह प्रतिवर्ष 4,000 करोड रुपये से अधिक की सामाजिक सुरक्षा सहायता के बराबर है। 38.58 लाख लाभार्थियों के लक्ष्य के साथ इसका दायरा और बढ़ रहा है। यह दर्शाता है कि सरकार महिला कल्याण के लिए बड़े पैमाने पर संसाधन लगा रही है। हालांकि योजना के क्रियान्वयन में कुछ चुनौतियां भी सामने आती है, जैसे सभी पात्र महिलाओं तक पहुंच सुनिश्चित करना, दस्तावेजी प्रक्रियाओं को और सरल बनाना तथा दूरस्थ क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाना। लेकिन सरकार इन चुनौतियों के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत है। हाल में लाभार्थियों के सत्यापन अभियान चलाकर पारदर्शिता और पात्रता सुनिश्चित करने के प्रयास भी किए गए है।

आदर अदीब पावेल बन्धु

इस जटिल और...

दुर्गेश्वर राय

दो पीढ़ियों और जीवनसाथी के मध्य बेहतर समन्वय ही युवा पीढ़ी की सबसे बड़ी परीक्षा



जीवन की यात्रा जब अपने मध्य पड़ाव पर पहुँचती है, तब मनुष्य एक ऐसे संवेदनशील मोड़ पर खड़ा होता है जहाँ उसे पीछे छूटती और आगे बढ़ती, दोनों दिशाओं को एक साथ संभालना होता है। यही वह घड़ी है जो युवा पीढ़ी की वास्तविक परीक्षा लेती है। इस मोड़ पर खड़े व्यक्ति को एक ओर अपने बुजुर्ग माता-पिता की अपेक्षाओं, भावनाओं और ढलते स्वास्थ्य का संबल बनना होता है, तो दूसरी ओर अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य, संस्कारों और उनकी आधुनिक आकांक्षाओं को संवारना पड़ता है। दो पीढ़ियों के बीच संतुलन साधने की यह चुनौती केवल समय प्रबंधन का विषय नहीं है, बल्कि यह धैर्य, संवेदना और परिपक्वता का महायज्ञ है। जिसने इस मोड़ पर सही सामंजस्य स्थापित कर लिया, उसका जीवन वस्तुतः सफल माना जाता है, क्योंकि परिवार रूपी वृक्ष की जड़ें उसकी नींव पर टिक जाती हैं।

इस जटिल और बहुआयामी ज़िम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण स्तम्भ जीवनसाथी होता है। माता-पिता और बच्चों के बीच संतुलन साधने की यह पूरी यात्रा अधूरी और अत्यधिक कठिन हो जाती है यदि जीवनसाथी के साथ अटूट तालमेल, आपसी समझ और परस्पर सम्मान न हो। जीवनसाथी केवल एक सहभागी नहीं, बल्कि पूरे परिवार के भावात्मक ढांचे की रीढ़ होता है। जब दोनों एक-दूसरे के दृष्टिकोण को समझते हैं, एक-दूसरे की थकान और मानसिक दबाव का सम्मान करते हैं, तब दो पीढ़ियों को संभालने का यह दुर्गम कार्य सहज आनंद में बदल जाता है। यदि कोई अपने जीवनसाथी की भावनाओं, उसके त्याग और गृहस्थी के प्रति उसके योगदान को अनदेखा करता है, या परिवार की परंपराओं और बुजुर्गों की सेवा को बोझ माना जाने लगता है, तो घर का संतुलन पूरी तरह डगमगा जाता है। इसके विपरीत, जहाँ जीवनसाथी के बीच अटूट वैचारिक तालमेल होता है, वहाँ माता-पिता को भी पूर्ण सम्मान मिलता है और बच्चों को भी एक शांत, सुरक्षित और सुसंस्कृत वातावरण प्राप्त होता है।

माता-पिता, जीवनसाथी और बच्चों के बीच का यह सेतु बनना कोई साधारण काम नहीं है। एक ओर माता-पिता हैं जिन्होंने अपना पूरा जीवन अपने बच्चों के निर्माण में खपा दिया। ढलती उम्र में उन्हें केवल भौतिक सुविधाओं की नहीं, बल्कि अपनों के स्पर्श, आत्मीयता और सम्मान की आवश्यकता होती है। कई बार उनके विचारों में पुरानी परिपाटी का आग्रह होता है, जो आधुनिक दौर की गति से मेल नहीं खाता। वहीं दूसरी ओर बच्चे हैं, जो असीम संभावनाओं और डिजिटल युग की तीव्र गति के साथ बड़े हो रहे हैं। उनकी सोच, उनकी जरूरतें और उनके सपने पूरी तरह से अलग हैं। इन दोनों के बीच खड़ी युवा पीढ़ी और उसके दांपत्य जीवन को एक ऐसे कुशल मध्यस्थ की भूमिका निभानी होती है जो न तो पुरानी जड़ों को कमजोर होने दे और न ही नई कोंपलों को खिलने से रोके।

इस सामंजस्य की विफलता और सफलता के अनेक उदाहरण हमारे आसपास देखने को मिलते हैं। हम ऐसे परिवारों को देखते हैं जहाँ जीवनसाथी कंधे से कंधा मिलाकर घर के बुजुर्गों की बीमारी में उनके सिरहाने बैठते हैं और उसी रात मुस्कुराकर अपने बच्चों के प्रोजेक्ट्स या उनकी शंकाओं का समाधान भी करते हैं। ऐसे घरों में तीन पीढ़ियों का एक साथ हंसना-बोलना वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है। इसके विपरीत, जहाँ जीवनसाथी के बीच संवादहीनता या अहंकार होता है, वहाँ बात-बात पर क्लेश बढ़ता है। जब कोई व्यक्ति केवल अपने करियर या बच्चों में ही सिमट जाता है और माता-पिता को उपेक्षित कर देता है, अथवा जब दांपत्य जीवन के तनाव के कारण घर का माहौल विषाक्त हो जाता है, तब परिवार बिखरने लगता है। ऐसे मामलों में व्यक्ति जीवन की इस सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो जाता है। वैदिक और भारतीय ज्योतिषीय ग्रंथों के अनुसार जातक की कुंडली में कुछ विशिष्ट ग्रहों और भावों की स्थिति यह तय करती है कि वह इस दोहराव वाली जिम्मेदारी और दांपत्य जीवन को किस सीमा तक निभा पाएगा।

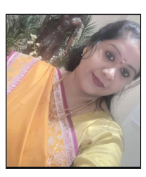
युवाओं के...

सोनी सिंह

उत्तर प्रदेश का रोजगार मिशन युवाओं के सपनों को दे रहा नई उड़ान

''काम चाहिए तो हुनर चाहिए और हुनर है तो रोजगार खुद चलकर आएगा''। इसी सोच के साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 'उ0प्र0 रोजगार मिशन' की नींव रखी थी। आज 09 साल बाद इसके नतीजे सामने है। प्रदेश के लाखों युवा अब न सिर्फ देश में बल्कि विदेशों में भी अपनी पहचान बना रहे हैं। प्रदेश सरकार का लक्ष्य हर हाथ को काम देना है और इस दिशा में निजी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों के साथ साझेदारी मिशन को नई गति दे रही है। मुख्यमंत्री जी का कहना है कि हमारे प्रदेश के युवा रोजगार लेने वाले नही, बल्कि रोजगार देने वाले बनें। आज रोजगार मिशन के आंकड़े बताते है कि सरकार की मेहनत रंग ला रही है। 01 अप्रैल, 2017 से मार्च 2026 तक कुल 13,698 रोजगार मेलों के माध्यम से 17,29,799 से अधिक युवाओं को निजी क्षेत्र में नौकरी मिली है। पिछले एक साल में कई बड़े आयोजन हुए। अगस्त 2025 में लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में लगे रोजगार महाकुंभ में 16,212 युवाओं का चयन हुआ, जिनमें 1612 युवा विदेशों में रोजगार के लिए चुने गए। अक्टूबर 2025 में गोरखपुर में हुए इंटरनेशनल प्लेसमेंट इवेंट से 279 अभ्यर्थी विदेश गए। दिसंबर 2025 में वाराणसी में आयोजित काशी सांसद रोजगार महाकुंभ में 8,054 युवाओं को नौकरी मिली, जिनमें 85 युवाओं का चयन विदेश के लिए हुआ है। महिलाओं के लिए मार्च 2026 में लगा पिंक रोजगार मेला भी खास रहा, जिसमें 2,765 महिलाओं को कंपनियों में नौकरी मिली और 79 महिलाओं का चयन विदेशों में नौकरी के लिए हुआ है। यूपी के कुशल श्रमिकों की मांग विदेशों में भी बढ़ी है। अब तक 9,000 निर्माण श्रमिकों में 6,004 निर्माण श्रमिकों को इजराइल भेजा जा चुका है। यह प्रदेश के लिए गर्व की बात है। वर्तमान में 1,336 निर्माण श्रमिक और 245 रेनोवेशन सेक्टर के श्रमिक प्रशिक्षण के अंतिम चरण में हैं और उन्हें जल्द इजराइल भेजा जाएगा। विदेश जाने से पहले अभ्यर्थियों को भाषा प्रशिक्षण और प्रस्थान-पूर्व उन्मुखीकरण भी दिया जा रहा है, ताकि उन्हें वहां किसी दिक्कत का सामना न करना पड़े। प्रदेश सरकार का श्रम एवं सेवायोजन विभाग सिर्फ मेला नहीं लगा रहा, बल्कि सीधे उद्योगों से जुड़ रहा है। ''इंडस्ट्री कनेक्ट'' कार्यक्रम के तहत नोएडा में 22 अगस्त, 2025 और मुंबई में 13 मार्च 2026 को बड़ी इंडस्ट्री मीट हुई। इसका नतीजा यह हुआ कि प्रदेश की प्रतिष्ठित कंपनियां अब सीधे सेवायोजन पोर्टल से जुड़ रही है। इसी कड़ी में हिन्दुजा ग्रुप की कंपनी के साथ भी एमओयू किया गया है। युवाओं के स्किल गैप को दूर करने के लिए भाषा प्रशिक्षण के लिए ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के साथ भी करार हुआ है। रोजगार से पहले दिशा-निर्देशन भी जरूरी है। इसी सोच के साथ 2017 से अब तक 34 लाख से अधिक अभ्यर्थियों को सेवायोजन कार्यालयों में कॅरियर काउंसिलिंग दी गई है। इस काउंसिलिंग में उन्हें बताया जाता है कि उनकी योग्यता के अनुसार कौन-सा क्षेत्र बेहतर है, कौन सा कोर्स करें और इंटरव्यू की तैयारी कैसे करें। उत्तर प्रदेश का रोजगार मिशन अब सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि प्रदेश के युवाओं के लिए उम्मीद की नई किरण बन चुका है।

'तमाशा'



ख़ून के रिश्तों का ये अंजाम भी देखा हमने,
दौलत की ख़ातिर हर इल्ज़ाम भी देखा हमने।
जो कभी एक ही थाली में निवाले खाते थे,
आज उन्हीं हाथों में ख़ंजर-ओ-पैग़ाम भी देखा हमने।
जिस आँगन में हँसी की सदाएँ गूँजती थीं,
वहीं नफ़रत का सरेआम इंतज़ाम भी देखा हमने।
रिश्ते बिकते रहे सिक्कों की खनक के आगे,
ज़मीर का यूँ सस्ता दाम भी देखा हमने।
ख़ून का रिश्ता था, मगर ख़ून का प्यासा निकला,
चेहरों पर अपनापन, दिल में इंतिक़ाम भी देखा हमने।
ऐ दौलत! तुझे क्या इल्ज़ाम दें आख़िर,
तेरे लिए हर अपने को बेइमान देखा हमने।।

डिम्पल तिवारी रामप्रिया

जरा हटके

समस्या की गंभीरता...

डॉ0 सीमा गुप्ता

जनपद गाजियाबाद में सुपोषण एवं उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के अभिसरण से साकार होता स्वस्थ भविष्य का संकल्प

प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार के समन्वित प्रयासों से स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन परिलक्षित हो रहे हैं। जन-स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, प्रशासनिक तंत्र द्वारा समाज के अंतिम व्यक्ति तक उत्कृष्ट चिकित्सा और पोषण सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। जनपद गाजियाबाद में जिला प्रशासन के कुशल निर्देशन में स्वास्थ्य एवं बाल विकास योजनाओं का धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। अत्यधिक सघन आबादी और चुनौतीपूर्ण जनसांख्यिकी वाले इस जनपद में कुपोषण के विरुद्ध एक निर्णायक और सफल अभियान जारी है। जनपद गाजियाबाद के एक सघन क्षेत्र में निवासरत एक श्रमिक परिवार की कहानी वर्तमान सरकार की व्यवस्थाओं और कार्यकुशलता का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह परिवार सीमित आय और चौदह सदस्यों की बड़ी जिम्मेदारी के कारण भारी आर्थिक दबाव और पोषण के अभावों का सामना कर रहा था। जिससे परिवार का उन्नीस माह का एक बालक गंभीर कुपोषण और अज्ञात जटिल बीमारियों की चपेट में आ गया था। स्थिति इतनी विकट थी कि अपनी आयु के विपरीत वह बालक न तो सामान्य रूप से बोल पाता था और न ही अपने पैरों पर खड़ा हो पाता था।

शारीरिक विकास पूरी तरह से अवरुद्ध हो चुका था और खड़े होने का प्रयास करने पर उसके पैर कांपने लगते थे। बालक का वजन भी सामान्य मानकों की तुलना में अत्यंत कम था, जो उसके जीवन के लिए एक बड़ा खतरा बन चुका था। इस गंभीर स्थिति में प्रदेश सरकार की स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली ने अपना प्रभावी कार्य किया। स्थानीय स्तर पर कार्यरत अग्रिम पंक्ति की आंगनवाड़ी कार्यकर्ती ने अपने नियमित गृह भ्रमण के दौरान बालक के अत्यंत कुपोषित और रुग्ण होने की पहचान की।

समस्या की गंभीरता को समझते हुए, विभागीय कर्मियों ने तत्काल बालक को विशेष पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराने की संस्तुति की। प्रारंभ में जागरूकता के अभाव के कारण परिवार इस चिकित्सकीय हस्तक्षेप के लिए तैयार नहीं था। जिला प्रशासन द्वारा प्रशिक्षित विभागीय पर्यवेक्षकों और कार्यकर्ताओं ने परिवार के सदस्यों के साथ निरंतर संवाद स्थापित किया। उन्होंने वैज्ञानिक तर्कों और सरकारी सुविधाओं के प्रति परिवार को आश्वस्त करते हुए उन्हें उन्नत उपचार के लिए सफलतापूर्वक सहमत कर लिया।

सहमति मिलने के उपरांत, प्रदेश सरकार द्वारा संचालित निःशुल्क एंबुलेंस सेवा के माध्यम से बालक को त्वरित गति से स्थानीय पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराया गया। यह त्वरित निर्णय बालक के जीवन की रक्षा में पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।उपचार के प्रारंभिक चरण में बालक की स्थिति में कुछ और जटिलताएं उत्पन्न हुईं। गहन चिकित्सकीय जांच में स्पष्ट हुआ कि उसके फेफड़ों में पानी भरने की अत्यंत गंभीर और प्राणघातक समस्या विकसित हो चुकी है, जिसके लिए उच्च स्तरीय विशेषज्ञता की आवश्यकता थी। बिना किसी विलंब के, जिला प्रशासन के स्वास्थ्य तंत्र ने बालक को प्रदेश सरकार के एक उच्चीकृत विशेषज्ञ चिकित्सालय में संदर्भित किया। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए वहां से उसे केंद्र सरकार द्वारा संचालित एक प्रतिष्ठित बाल रोग विशेषज्ञ चिकित्सालय में स्थानांतरित कर दिया गया। केंद्र सरकार के इस विशेषज्ञ चिकित्सालय में बालक की एमआरआई सहित सभी महंगी और जटिल जांचें त्वरित प्रभाव से की गईं। उच्च कोटि के विशेषज्ञ चिकित्सकों के दल ने बालक की स्थिति की निरंतर निगरानी करते हुए एक सघन चिकित्सा प्रोटोकॉल का निर्धारण किया। सरकारी चिकित्सा सुविधाओं के इस उच्च स्तरीय और समन्वित प्रयास का अत्यंत सकारात्मक परिणाम सामने आया। निरंतर चले गुणवत्तापूर्ण उपचार और सघन देखभाल के पश्चात बालक की स्थिति में आश्चर्यजनक रूप से सुधार हुआ। आज वह बालक न केवल अपने पैरों पर सामान्य रूप से चलने में सक्षम है, बल्कि स्पष्ट रूप से बोलने भी लगा है। उसका शारीरिक वजन आयु के मानकों के अनुरूप सामान्य हो चुका है और वह एक पूर्णतः स्वस्थ जीवन व्यतीत कर रहा है।

इस संपूर्ण प्रकरण की सबसे प्रमुख और उल्लेखनीय विशेषता यह रही कि इस अत्यंत निर्धन परिवार को संपूर्ण जटिल उपचार प्रक्रिया में एक भी रुपये का आर्थिक व्यय नहीं करना पड़ा।प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार की जन-कल्याणकारी नीतियों के कारण महंगी एंबुलेंस सेवा से लेकर एमआरआई जैसी जटिल जांचें और आईसीयू का खर्च पूर्णतः निःशुल्क रहा। सरकार की शून्य आउट-ऑफ़-पॉकेट व्यय नीति ने एक गरीब परिवार को कर्ज के बोझ में फंसने से बचा लिया।

लाभार्थी बालक की माता ने प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की है। उनका स्पष्ट मानना है कि यदि विभागीय कर्मियों द्वारा सही समय पर समस्या की पहचान कर उन्हें प्रेरित न किया गया होता, तो वे अपने बालक को खो सकते थे।यह सफलता मात्र एक संयोग नहीं है, बल्कि प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित एक सुदृढ़ और बहुआयामी स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र का परिणाम है। जनपद गाजियाबाद में संचालित यह प्रणाली निरंतर ऐसे हजारों परिवारों के जीवन में आशा की किरण बन रही है। कुपोषण को जड़ से समाप्त करने के लिए प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार द्वारा 'राष्ट्रीय पोषण अभियान' जैसी महत्वाकांक्षी योजना का अत्यंत सूक्ष्म स्तर पर क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य शिशु मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर में ऐतिहासिक कमी लाना है। इस पूरे प्रयास में सबसे सशक्त भूमिका अग्रिम पंक्ति की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की है। वे न केवल प्रशासनिक व्यवस्था का अभिन्न अंग हैं, बल्कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल का सबसे जीवंत और विश्वसनीय आधार स्तंभ बन चुकी हैं। जीवन के प्रथम एक हजार दिनों के महत्व को केंद्र में रखते हुए, प्रदेश सरकार ने गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के स्वास्थ्य प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

आगरा में अपने दोस्त के साथ रील बना रहा था, पिता बोले- हत्या की गई

एयरगन से प्राइवेट पार्ट में लगी गोली, छात्र की मौत

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में एयरगन की गोली लगने से 12वीं के छात्र की मौत हो गई। छात्र शनिवार शाम करीब 5 बजे ट्यूशन पढ़ने के लिए पड़ोस के निर्माणाधीन मकान में गया था। वहां जंगली जानवरों से बचाव के लिए एयरगन रखी थीं। छात्र और उसके दोस्त एयरगन से रील बनाने लगे। इसी दौरान एक दोस्त से गलती से ट्रिगर दब गया। गोली छात्र के प्राइवेट पार्ट में लगी। वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग और परिवार वाले मौके पर पहुंचे। छात्र को अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।



पिता बोले- गांव के लड़के ने जानबूझकर गोली चलाई

मोहित के पिता विनोद ने बताया कि मोहित गणित की ट्यूशन पढ़ने गया था। करीब 15 दिन पहले स्कूल में एक छात्र से उसका झगड़ा हुआ था। उस छात्र ने मोहित को 'देख लेने' की धमकी दी थी। ट्यूशन के दौरान वही छात्र मोहित को उस कमरे में ले गया, जहां एयरगन रखी थी। मोहित ने उसे एयरगन चलाने से मना किया।

ट्यूशन पढ़ने पड़ोस के मकान में गया था

पिनाहट के बसई अरेला गांव निवासी विनोद प्रजापति किसान हैं। उनका 16 वर्षीय बेटा मोहित इंटर का छात्र था। मोहित चार भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर था। उसका एक छोटा भाई और दो बहनें हैं। वह पड़ोसी ओम शर्मा के बेटे आकाश से ट्यूशन पढ़ता था। आकाश अपने निर्माणाधीन मकान में करीब 15 छात्रों को ट्यूशन पढ़ाता है। मकान के एक कमरे में कुछ शिकारी ठहरे हुए थे। उन्होंने नीलगाय और जंगली सुअरों जैसे जानवरों को भगाने के लिए वहां एयरगन रखी थीं। मोहित शनिवार शाम करीब 4:30 बजे ट्यूशन पढ़ने के लिए घर से निकला।

पिता विनोद ने कहा कि उनका बेटा मोहित आरवी कॉन्वेंट स्कूल में पढ़ता था। स्कूल में पढ़ने वाले एक छात्र ने ही उसे धमकी दी थी।

रील बनाते समय गलती से ट्रिगर दबा

शाम 5 बजे तक वहां छह छात्र पहुंचे थे। सभी एयरगन हाथ में लेकर रील बनाने लगे। इसी दौरान एक दोस्त से गलती से एयरगन का ट्रिगर दब गया। गोली मोहित के प्राइवेट पार्ट में लगी और वह फर्श पर गिर पड़ा। गोली की आवाज सुनकर उसके घरवाले और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। घरवाले मोहित को फतेहाबाद के एक निजी अस्पताल ले गए। वहां से उसे आगरा रेफर कर दिया गया।



बड़े भाई ने छोटे भाई की गोली मारकर हत्या की

रामपुर में खेत पर तड़पता छोड़ फरार हुए

तमसा संकेत, एजेंसी

शाहबाद। रामपुर में एक छोटी भाई की बड़े भाई ने गोली मारकर हत्या कर दी है। मई, 2026 में छोटे भाई ने अपनी बेटी के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए गांव के ही एक युवक पर मुकदमा दर्ज करवाया था। आरोप है कि बड़े भाई इस मुकदमे को वापस लेने का दबाव बना रहे थे। रविवार सुबह करीब 9 बजे वह दोनों पक्षों को गांव के एक खेत में स्थित ट्यूबवेल पर बुलाए थे। यहां पर दोनों पक्षों में बातचीत हो रही थी। बेटे का आरोप है- बात न बनने पर नाराज होकर बड़े भाई ने उसके पिता पर अवैध असलहे से फायरिंग कर दी। इसके बाद छोटे भाई को खेत पर खून से लथपथ छोड़कर फरार हो गए। मामला रविवार दोपहर शाहबाद थाना क्षेत्र



के लोधीपुर गांव का है। मृतक के बेटे ने थाने में 10 लोगों के हत्या की शिकायत की है। मृतक की पहचान गांव निवासी राजेश (45) के रूप में हुई है। मृतक के बेटे रोहित (15) ने बताया कि उसके पिता ने 22 मई, 2026 में उसकी बहन के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए गांव के ही एक युवक पर केस दर्ज करवाया था। उसके पिता के बड़े भाई राजेंद्र जो पूर्व में प्रधान रह चुके हैं। इस मामले में सुलह करने के लिए दबाव बना रहे थे। हालांकि, पिता राजेश इस पक्ष में नहीं थे।

फास्ट न्यूज

अबान के जनाजे की नमाज भाई उमर ने पढ़ाई

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के बेटे अबान को सुपुर्द-ए-खाक करने से पहले एक ऐसा वाकया भी हुआ, जिसने सबको चौंका दिया। यहां जनाजे की नमाज किसी मौलवी ने नहीं, बल्कि अतीक के सबसे बड़े बेटे उमर ने पढ़ाई। उसने छोटे भाई अबान के शव को दफनाने से पहले नमाज ए जनाजा अदा कराई। सबसे ज्यादा चर्चा यह रही कि क्या उमर अब दीन-दुनिया छोड़कर इबादत की राह पर चल पड़ा है।

लापता युवक का शव खाई में मिला

हरदोई। हरदोई के मल्लावां में एक युवक का शव पानी से भरी खाई में मिला है। रविवार सुबह करीब 8:30 राघौपुर कस्बा पुलिस चौकी के पास मतदाननगर में यह घटना सामने आई। मृतक के मुंह, नाक और पीठ से खून रिस रहा था, जिससे परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। मृतक की पहचान राघौपुर निवासी कमला शंकर (35) के रूप में हुई है। वह मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। परिजनों के अनुसार, कमला शंकर शनिवार शाम करीब 6 बजे घर से अचानक लापता हो गया था।

कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा

एटा। श्रावण मास में कांवड़ यात्रा के दौरान एटा में कांवड़ियों का अनोखे अंदाज में स्वागत किया गया। जिले के विभिन्न कांवड़ मार्गों से गुजर रहे शिवभक्तों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई। आसमान से बरसते फूलों को देखकर कांवड़ियों और स्थानीय लोगों में उत्साह नजर आया। कांवड़ियों के स्वागत के लिए श्रवण गंगा सेवा समिति के सचिव सूर्यप्रताप सिंह 'सूरज' ने दिल्ली से हेलीकॉप्टर बुक कराया था।

चंदौली के सकलडीहा में खाद पर मनमानी वसूली

डीएपी-यूरिया की बोरी पर 400 रुपए तक ज्यादा

तमसा संकेत, एजेंसी

चंदौली। चंदौली के सकलडीहा तहसील क्षेत्र में खाद की कथित कालाबाजारी ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। किसानों का आरोप है कि उर्वरक दुकानदार डीएपी, यूरिया और एनपीके की बोरी पर निर्धारित कीमत से 300 से 400 रुपये तक अधिक वसूल रहे हैं। मनमानी कीमत देने से इनकार करने पर दुकानदार खाद देने से भी मना कर देते हैं। किसानों का कहना है कि खेती के सीजन में मजबूरी का फायदा उठाकर उनका आर्थिक शोषण किया जा रहा है। किसानों के मुताबिक शासन स्तर से डीएपी की निर्धारित कीमत 1350 रुपये प्रति बोरी और यूरिया की कीमत 266 रुपये प्रति बोरी तय है। इसके बावजूद क्षेत्र में डीएपी पर 300 से 350 रुपये और यूरिया पर करीब



100 रुपये अधिक वसूले जाने का आरोप है। किसानों का कहना है कि खाद खरीदना मजबूरी है, इसलिए अधिक कीमत देने के बावजूद वे शिकायत करने से बचते हैं। किसानों का आरोप है कि जब कोई निर्धारित दर पर खाद देने की मांग करता है तो दुकानदार उसे खाद देने से ही इनकार कर देते हैं। खेती का समय होने के कारण किसान मजबूरी में मनमानी कीमत चुकाकर खाद खरीदने को विवश हैं। इससे किसानों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

कानपुर में परिजन रो-रो कर बेहाल, 2 स्टीमर और 6 गोताखोर तलाश में जुटे

ताऊ के अंतिम संस्कार में आया युवक गंगा में डूबा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के भैरव घाट में अपने ताऊ के अंतिम संस्कार में शामिल होने आए बजरिया थाना क्षेत्र के प्रेम नगर निवासी 22 साल के मयंक चौरसिया डूब गए। अंतिम संस्कार के बाद परिवार के लोग गंगा में हाथ-पैर धो रहे थे, इस दौरान मयंक गंगा में नहाने के लिए उतरा और तेज बहाव की चपेट में आने से बह गया और देखते ही देखते गंगा में समा गया। परिजनों की सूचना पर कोहना थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद पुलिस ने जल पुलिस के 2 स्टीमर और 6 गोताखोरों की टीम को मयंक की तलाश में लगाया है। गंगा में पानी चेतावनी बिंदु



के करीब और तेज बहाव के चलते कॉम्बिंग करने में टीम को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मयंक के डूबने की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। माता-पिता पिता घाट पर रोते-रोते बदहवास हो गए। सूचना पर कोहना थाना प्रभारी मनीष कुमार सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। इधर बड़े भाई के निधन के बाद बेटे के गंगा में डूबने से संजू और उनका परिवार रो-रो कर बेहाल हो गया।



मृतक मयंक। (फाइल फोटो)

हाथ-पैर धोने गए थे, जिद करके पानी में उतरा था मयंक

प्रेम नगर प्रशांत नर्सिंग होम के पास रहने वाले संजू कुमार चौरसिया की पान की दुकान है। घर में पत्नी सविता चौरसिया, बेटी रिमझिम चौरसिया और बेटा मयंक है। संजू ने बताया कि उनके साथ में ही रहने वाले बड़े भाई सुरेश कुमार का शनिवार रात को बीमारी के चलते निधन हो गया था। रविवार को परिवार के लोग भैरव घाट पर अंतिम संस्कार करने पहुंचे थे। अंतिम संस्कार के बाद परिवार के लोग गंगा में हाथ-पैर धो रहे थे तो कुछ लोग गंगा नहाने लगे। इस मयंक भी गंगा में नहाने की जिद करके पानी में उतर गया और गहराई में जाने के चलते तेज बहाव के चपेट में आने से डूब गया। मयंक की चीख-पुकार सुनकर वहां मौजूद परिवार के लोग बचाने को गंगा में उतरे तो लेकिन तेज बहाव के बीच मयंक पानी में देखते ही देखते समा गया और परिवार के लोग चाह कर भी कुछ नहीं कर सके।

रोकने के बाद भी गंगा में उतरा मयंक डूबा

मयंक के पिता संजू कुमार चौरसिया और चाचा सुरेश कुमार चौरसिया ने बताया कि,परिवार के लोग अंतिम संस्कार के बाद घाट पर हाथ-पैर धो रहे थे। मयंक ने नहाने की जिद की, जिस पर परिजनों ने उसे किनारे बैठकर ही नहाने को कहा।

आसपास मौजूद लड़कों ने उसे बचाने की कोशिश की, ऊपर से टायर और रस्सियां भी फेंकी गईं, लेकिन मयंक उन्हें पकड़ नहीं सका। देखते ही देखते वह गंगा की तेज धार में बहता चला गया और ओझल हो गया।

काकादेव में टूटी सड़क पर खड़े होकर नारेबाजी की, बोले- सभी परेशान हैं

टूटी सड़कों और गड्ढों के खिलाफ एएपी का प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर शहर की जर्जर सड़कों और जगह-जगह बने गड्ढों के खिलाफ आम आदमी पार्टी कानपुर नगर ने रविवार को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। काकादेव स्थित कुलवंती नर्सिंग होम के सामने उखड़ी पड़ी सड़क पर 12 बजे तक प्रदर्शन किया गया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने टूटी सड़क पर खड़े होकर जमकर नारेबाजी की। आप नेताओं ने कहा कि सरकार सुनना नहीं चाहती है। ऐसे में टूटी सड़कों की मरम्मत का बजट कहां से आएगा। काकादेव थाने की पुलिस को अधिकारियों को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया है। कहा कि शहर की कई प्रमुख सड़कों के साथ ही मोहल्लों की गलियां भी लंबे समय से जर्जर हालत में हैं। जगह-जगह गड्ढों के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन करते करते कार्यकर्ता सड़क पर बैठ गए।

बारिश के दौरान स्थिति और खराब हो जाती

आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों ने कहा कि बारिश के दौरान सड़कों की स्थिति और खराब हो जाती है। गड्ढों में पानी भरने से वाहन चालकों को सड़क की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। पार्टी ने प्रशासन से सड़कों की मरम्मत और गड्ढों को जल्द भरवाने की मांग की। प्रदर्शन में पार्टी के नगर पूर्व अध्यक्ष अनुज शुक्ला और प्रदेश विधि प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रखर श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में विधि प्रकोष्ठ कानपुर नगर के अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर कुमार शर्मा आदि रहे।



प्रमुख सड़कों के साथ गली मोहल्ले भी खराब

पूर्व नगर प्रभारी आशुतोष सेंगर ने कहा कि प्रदर्शन के जरिए पार्टी ने शहर की खराब सड़कों की समस्या को शासन और प्रशासन के अधिकारियों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। कहा कि शहर की कई प्रमुख सड़कों के साथ ही मोहल्लों की गलियां भी लंबे समय से जर्जर हालत में हैं। जगह-जगह गड्ढों के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन करते करते कार्यकर्ता सड़क पर बैठ गए।

गोंड समाज ने विश्व आदिवासी दिवस पर जुलूस निकाला

संतकबीरनगर में अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

संतकबीर नगर। संतकबीरनगर में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को गोंड धुरिया जनजाति संघर्ष मोर्चा ने खलीलाबाद शहर में जुलूस यात्रा निकाली। संगठन के संरक्षक राम लखन गौड़ के नेतृत्व में सैकड़ों आदिवासी पारंपरिक वेशभूषा में तीर-धनुष और आदिवासी झंडे लेकर शामिल हुए। उन्होंने जल-जंगल-जमीन, वनाधिकार, आरक्षण और संवैधानिक अधिकारों को लेकर आवाज बुलंद की। इस दौरान समाज के लोगों ने भारतीय आदिवासी समाज के शौर्य और सम्मान की प्रतीक गोंडवाना की वीरांगना महारानी दुर्गावती और स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा



मुंडा की प्रतिमाएं खलीलाबाद नगर के दो प्रमुख चौराहों पर स्थापित करने की मांग की। मोर्चा की ओर से कलेक्ट्रेट में दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि पूर्व के विभिन्न शासनादेशों और शासनादेश संख्या 676 दिनांक 24 फरवरी 2023 के माध्यम से संतकबीरनगर के गोंड (धुरिया) समुदाय को अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में घोषित किया गया है। इससे पहले यह समुदाय जनपद में अनुसूचित जाति की श्रेणी में था। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि विभिन्न शासनादेशों और जिला स्तरीय कमेटी के 14 अक्तूबर 2015 के आदेश के अनुपालन में खलीलाबाद, मेंहदावल और धनघटा तहसीलों में जांच के बाद हजारों लोगों को अनुसूचित जाति के प्रमाण पत्र जारी किए जा चुके हैं। हालांकि, ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि शासनादेशों और जिला स्तरीय कमेटी के आदेशों के बावजूद वर्तमान में गोंड अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र के आवेदनों पर लेखपालों द्वारा मनमाने ढंग से नकारात्मक रिपोर्ट लगाई जा रही है। इन्हीं रिपोर्टों के आधार पर तहसील स्तर से आवेदन निरस्त किए जा रहे हैं, जिससे पात्र लोगों को शासन की सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

111 फीट लंबी तिरंगा कांवड़ लेकर शामली पहुंचे 20 शिवभक्त

हरियाणा के करनाल से निकले कांवड़िए, शहीदों को श्रद्धांजलि

तमसा संकेत, एजेंसी

शामली। हरियाणा के करनाल जिले के मंगलपुर गांव से 20 शिवभक्त रविवार को 111 फीट लंबी तिरंगा कांवड़ लेकर शामली पहुंचे। विशाल तिरंगा कांवड़ देशभक्ति और शिवभक्ति के अनूठे संगम का संदेश देती नजर आई। इसे देखने के लिए रास्ते भर लोगों की भीड़ जुटी रही और जगह-जगह कांवड़ियों का स्वागत किया गया। मंगलपुर निवासी टिंकू, कृष्ण, नीरज, वंश और रोहित ने बताया कि वे हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने गांव की ओर जा रहे हैं। 15 अगस्त से पहले शहीदों की याद में यह यात्रा निकाली गई है। कांवड़ियों ने बताया कि यह उनकी दूसरी कांवड़ यात्रा है। इस बार उन्होंने कांवड़ को देशभक्ति के संदेश से



जोड़ने का प्रयास किया है। शिवभक्तों ने बताया कि यात्रा का उद्देश्य सिर्फ गंगाजल लाना और धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है। इसके जरिए युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है। साथ ही समाज में महिलाओं के प्रति होने वाले अत्याचार को पूरी तरह खत्म करने का संदेश भी दिया जा रहा है।

कांवड़ियों ने कहा कि युवा देश की ताकत हैं। यदि युवा नशे से दूर रहकर अपनी जिम्मेदारियों को समझें तो देश तेजी से आगे बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार नशे के खिलाफ अभियान चला रही है, लेकिन समाज के लोगों को भी इसमें सक्रिय भूमिका निभानी होगी। हरिद्वार से गंगाजल लेकर चली 111 फीट लंबी तिरंगा कांवड़ रविवार को शामली पहुंची। रास्ते में कई जगह लोगों ने कांवड़ियों का भव्य स्वागत किया। शामली से होते हुए कांवड़िए टिटौली गांव पहुंचे। यहां उन्होंने कुछ देर विश्राम किया। इसके बाद शाम को सभी शिवभक्त कांवड़ लेकर अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए। विशाल तिरंगा कांवड़ को देखने के लिए रास्ते भर लोगों की भीड़ लगी रही। कांवड़ियों ने कहा कि उनकी यात्रा धार्मिक आस्था के साथ देशभक्ति और सामाजिक जागरूकता का संदेश देने का माध्यम भी है।

आईपीएस के पिता ने 25 राउंड फायरिंग कराई

महिला बोलीं- घर से बाहर खींचकर हत्या की धमकी दी, डेढ़ करोड़ की जमीन हड़पना चाहते

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर में एक महिला के घर पर रविवार को 20 से 25 राउंड फायरिंग की गई। इससे लोग दहशत में आ गए। फायरिंग कराने का आरोप झारखंड में ट्रेनी IPS मयंक बाजपेई के पिता पर है।

हिला ने बताया, दोपहर करीब 2 बजे 24-25 हथियारबंद लोग आए और ताबड़तोड़ गोली चलाने लगे। मुझे बाहर खींचकर हत्या की धमकी दी। मेरी जमीन नेशनल हाईवे 30 (उत्तराखंड से आंधप्रदेश को जोड़ने वाली सड़क) के किनारे है। जिस पर आरोपी कब्जा करना चाहते हैं। सोलर पैनल और घर की दीवारों पर गोली के निशान मिले हैं। पुलिस ने मौके से कारतूस के खोखे बरामद किए हैं। कुछ संदिग्ध लोगों को हिरासत में भी लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। मामला महोली कोतवाली क्षेत्र के अढ़ौरी बाईपास मोड़ के पास का है।

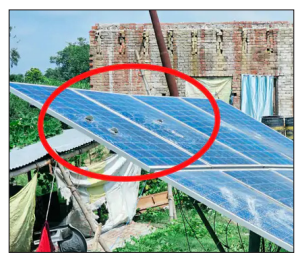


*** महिला ने आरोप लगाया कि 24-25 लोगों ने मेरे घर पर फायरिंग की। मुझे जान से मारने की धमकी दी।**

*** यह पीड़ित महिला का घर है। आरोप है यहीं आकर बदमाशों ने फायरिंग की।**

आईपीएस के पिता ने 2022 में खरीदी जमीन, तब से विवाद

शोभना ने बताया- कैमहरा गांव निवासी मयंक बाजपेई IPS अफसर हैं। वह झारखंड में ट्रेनी आईपीएस के रूप में तैनात हैं।





डीसीएम से पहुंचे लोगों पर फायरिंग का आरोप

शोभना के अनुसार, रविवार दोपहर 2 बजे डीसीएम में सवार होकर करीब 24-25 लोग असलहों के साथ उनके घर पहुंचे। घर के बाहर पहुंचते ही गाली-गलौज शुरू कर दी। इसके बाद ताबड़तोड़ फायरिंग की गई। घटना के समय शोभना घर पर अकेली थीं। उनके पति और बच्चे देवरिया गांव गए हुए थे।

फायरिंग की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से खोखे बरामद किए और कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। घटना के बाद आसपास के लोगों में भी दहशत का माहौल रहा।

महिला बोलीं- हमने 2018 में जमीन का बैनामा कराया

अढ़ौरी बाईपास निवासी मुनीश किसान हैं। उनकी पत्नी शोभना शुक्ला के मुताबिक, वह मूल रूप से देवरिया गांव की रहने वाली हैं। उन्होंने साल 2018 में अढ़ौरी बाईपास पर 19 बिस्वा (8265 स्क्वायर फीट) जमीन का बैनामा कराया था। कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपए है। जमीन के एक हिस्से पर मकान बनाकर वह परिवार के साथ रह रही हैं। बाकी जमीन पर उनका ही कब्जा है।

पूर्व राष्ट्रपति ने लगाया अशोक और मोर्चली का पौधा

वृंदावन में पुंडरीक गोस्वामी से की मुलाकात, रमण रेती आश्रम में हाथी ने किया अभिनंदन

दौरा

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद वृंदावन दौरे के तीसरे दिन ज्ञान गुदरी इलाके में स्थित पुंडरीक गोस्वामी के निवास स्थान वैजयंती आश्रम पहुंचे। यहां पूर्व राष्ट्रपति ने प्रसिद्ध कथा वाचक पुंडरीक गोस्वामी से मुलाकात की। उन्होंने इस दौरान अशोक और मोर्चली का पौधा रोपित किया। इससे पहले वह गोकुल स्थित रमण रेती आश्रम पहुंचे जहां उनका स्वागत हथिनी ने किया। इस दौरान पूर्व राष्ट्रपति ने अपने आध्यात्मिक संदेश में कहा कि भारतीय संस्कृति और अध्यात्म ही देश की असली ताकत है, जो हमें जोड़ती है और जीवन जीने का सही मार्ग दिखाती है। उन्होंने प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण को भी भारतीय परंपरा का अहम हिस्सा बताया।



वृंदावन के गोपी संवाद स्थल पर पुंडरीक गोस्वामी जी के साथ पौधारोपण करते पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

इसके बाद पूर्व राष्ट्रपति ने आश्रम में विधि-विधान के साथ यज्ञ में पूर्णाहुति दी और देश में सुख, शांति तथा समृद्धि की कामना की। यज्ञ अनुष्ठान के पश्चात उन्होंने आश्रम के बाहर गोपी संवाद स्थल पर सपरिवार वृक्षारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान पुंडरीक महाराज ने पूर्व राष्ट्रपति को प्रेम और श्रद्धा के प्रतीक के रूप में तुलसी की माला, चांदी की गाय, पावन ब्रजरज और पवित्र श्रीमद्भागवत गीता भेंट की। आश्रम प्रवास के दौरान उन्होंने पुंडरीक महाराज के साथ भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और जीवन मूल्यों पर चर्चा भी की। वैजंती आश्रम के कार्यक्रमों के बाद पूर्व राष्ट्रपति पुंडरीक महाराज के साथ ऐतिहासिक राधारमण मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने ठाकुर राधारमण जी के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और देशवासियों के मंगलमय जीवन की प्रार्थना की। पूर्व राष्ट्रपति के इस दौरे को लेकर स्थानीय प्रशासन मुस्तैद नजर आया।

हथिनी ने दिया आशीर्वाद

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद परिवार के साथ रविवार को गोकुल स्थित रमण रेती आश्रम पहुंचे। यहां उनका स्वागत वहां मौजूद साधु संतों ने पुष्प गुच्छ देकर किया तो हथिनी ने चमड हिलाकर उनका अभिनंदन किया। इसके बाद हथिनी ने अपनी सूंड से पूर्व राष्ट्रपति को आशीर्वाद दिया। स्वागत के पश्चात पूर्व राष्ट्रपति आश्रम में स्थित भगवान रमण बिहारी के दर्शन करने पहुंचे। पूर्व राष्ट्रपति ने यहां पत्नी और बेटी के साथ पूजा अर्चना की। इसके बाद वह महंत गुरु कर्षिणी शरणानंद महाराज के दर्शन करने उनकी कुटिया पहुंचे।

जहां उन्होंने गुरु कर्षिणी शरणानंद महाराज से 15 मिनट तक आध्यात्मिक चर्चा की।



हथिनी ने चमड हिलाकर अभिनंदन किया

वैजंती आश्रम में की पूर्णाहुति

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद अपने तीन दिवसीय वृंदावन दौरे के दौरान पूरी तरह अध्यात्म और ब्रज की भक्ति के रंग में रंगे नजर आए। रविवार को वह सपरिवार प्रख्यात भागवत प्रवक्ता पुंडरीक महाराज के ज्ञान गुदड़ी स्थित वैजंती आश्रम पहुंचे, जहां उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। आश्रम पहुंचने पर उन्होंने सबसे पहले पुंडरीक महाराज के बाबा स्वर्गीय अतुल कृष्ण गोस्वामी और पिता स्वर्गीय श्रीभूति गोस्वामी की प्रतिमाओं पर पुष्पार्चन कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

पुलिस ने चलाया कॉम्बिंग अभियान

पुलिस ने पैदल गश्त कर संवेदनशील इलाकों पर रखी नजर

तमसा संकेत, एजेंसी

चित्रकूट। चित्रकूट जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने रविवार को कॉम्बिंग अभियान चलाया। मारकुंडी थाना क्षेत्र के चौरी जंगल में पुलिस टीम ने पैदल गश्त कर संदिग्ध गतिविधियों और संभावित ठिकानों की जांच की। अभियान के दौरान जंगल के संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की सक्रिय मौजूदगी रही। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश और अपर पुलिस अधीक्षक पीयूषकांत राय के पर्यवेक्षण में अभियान चलाया गया। इसमें पहाड़ी प्रभारी निरीक्षक निशिकान्त राय, मानिकपुर प्रभारी निरीक्षक अजीत पांडेय और मारकुंडी थानाध्यक्ष दीपक कुमार पुलिस बल के साथ शामिल रहे। टीम ने जंगल के दुर्गम और संवेदनशील इलाकों में गहन कॉम्बिंग की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जंगल और दुर्गम क्षेत्रों में संदिग्ध अपराधियों व असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी के लिए अभियान चलाया गया। पुलिस टीम ने जंगल में प्रवेश और निकास मार्गों के साथ संवेदनशील स्थानों की भी जांच की। साथ ही स्थानीय लोगों को किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने के लिए जागरूक किया गया।



फास्ट न्यूज

नौहझील में पुलिस मुठभेड़, 5 बदमाश गिरफ्तार

मथुरा। मथुरा के नौहझील थाना क्षेत्र में पुलिस और एंटी थेफ्ट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बिजली के तार चोरी करने वाले एक गिरोह के पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी शनिवार रात करीब 10 बजे हुई। पुलिस मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया,जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एसडीएम छाता ने बाढ़ प्रभावित शेरगढ़ का किया निरीक्षण

मथुरा। मथुरा में यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद रविवार को उपजिलाधिकारी छाता अखिलेश कुमार ने शेरगढ़ क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित और संवेदनशील इलाकों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्यारहा बांगर, बाबूगढ़ और बहटा सहित आसपास के गांवों का दौरा कर ग्रामीणों से बातचीत की और बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी ने ग्रामीणों से सतर्क रहने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की। उन्होंने लोगों को अनावश्यक रूप से पानी के नजदीक न जाने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल प्रशासन को सूचित करने के निर्देश दिए।

आगरा-दिल्ली हाईवे पर बाइक सवारों को रौंदा

आगरा। आगरा के थाना सिकंदरा क्षेत्र में आगरा-मथुरा हाईवे पर भगवती ढाबे के समीप शुक्रवार देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। दोनों युवक अरतौनी स्थित अनुसंधान केंद्र में रात्रि ड्यूटी कर बाइक से अपने घर लौट रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। शनिवार को दोनों युवकों की अर्थियां एक साथ उठीं तो अटूस गांव में मातम छा गया।

औरैया में 'मेरा रेशम-मेरा अभिमान 2.0' कार्यक्रम

रेशम उत्पादन से आय और रोजगार बढ़ाने पर जोर

तमसा संकेत, एजेंसी

औरैया। औरैया में राजकीय रेशम फार्म, भैंसोल में रविवार को 'मेरा रेशम-मेरा अभिमान 2.0' कार्यक्रम के तहत रेशम कृषकों के लिए जागरूकता एवं तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य किसानों को रेशम उत्पादन की आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी देना और इसे आय व रोजगार का प्रभावी माध्यम बनाने के लिए प्रेरित करना था। केंद्रीय रेशम बोर्ड के वैज्ञानिक-डी और कार्यक्रम के संयोजक डॉ. छत्रपाल ने किसानों को शहतूत की वैज्ञानिक खेती, गुणवत्तापूर्ण पत्ती उत्पादन, रेशमकीट पालन, कोकून उत्पादन और उसके विपणन की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अच्छी और पौष्टिक शहतूत पत्ती स्वस्थ रेशमकीट पालन और बेहतर कोकून उत्पादन की नींव है। उन्होंने



शहतूत की खेती में पौधरोपण, उचित दूरी, सिंचाई, खाद-उर्वरक प्रबंधन, कटाई-छंटाई और शूट रियरिंग जैसी तकनीकों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही रेशमकीट पालन के दौरान कीटशाला की स्वच्छता, विसंक्रमण, तापमान और आर्द्रता नियंत्रण, वायु संचार तथा रोग प्रबंधन के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ बीज, गुणवत्तापूर्ण पत्ती और स्वच्छ पालन भवन बेहतर उत्पादन के लिए जरूरी हैं।

मथुरा में साधु-संतों ने बैठककर किया ऐलान, आज केवल शिला पूजन हुआ

श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर अब 6 दिसंबर को होगी कारसेवा

> अधिकारी महाराज ने कहा कि राम मंदिर का काम शुरू होने से करीब 30 साल पहले ही यह काम शुरू हो जाना चाहिए था, लेकिन राजनीति के कारण अब तक यह पूरा नहीं हो पाया। उन्होंने कहा, "देर आए, दुरुस्त आए।" अब उन्हें भरोसा है कि भगवान योगेश्वर कृष्ण के आशीर्वाद से 13 अखाड़ों, अखाड़ा परिषदों और अलग-अलग संस्थाओं के साधु-संत एकजुट होकर कारसेवा करेंगे।

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर प्रस्तावित कारसेवा स्थगित कर दी गई है। अब 6 दिसंबर को कारसेवा की जाएगी। चित्रगुप्त पीठाधीश्वर स्वामी सच्चिदानंद महाराज ने शनिवार शाम को कारसेवा स्थगित किए जाने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा- कांवड़ यात्रा और सावन महीने को देखते हुए कारसेवा फिलहाल स्थगित की गई है। कारसेवा से सावन के पवित्र महीने का माहौल बिगड़ सकता है। हालांकि, रविवार सुबह करीब 10 बजे से चित्रगुप्त पीठ आश्रम में मंदिर निर्माण के लिए शिलाओं का हवन-पूजन शुरू हुआ।

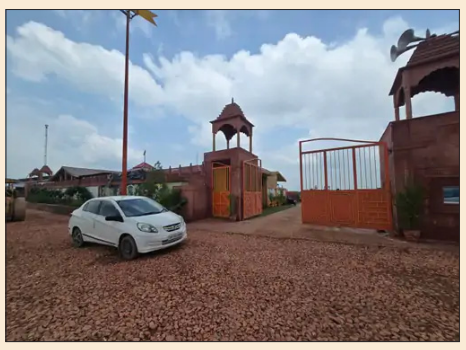


स्वामी सच्चिदानंद महाराज चित्रगुप्त आश्रम में हवन-पूजन करते हुए।

गुलाबी पत्थर की ये शिलाएं राजस्थान से लाई गई हैं। दोपहर करीब 12 बजे साधु-संतों ने बैठक कर कारसेवा की नई तारीख पर मंथन किया।

4 जुलाई को किया था कारसेवा का ऐलान

स्वामी सच्चिदानंद महाराज ने 4 जुलाई को रएक धक्का और दोश का नारा देते हुए 9 अगस्त को कारसेवा का ऐलान किया था। इसके समर्थन में उन्होंने 12 जुलाई को हरिद्वार के वात्सल्य गंगा आश्रम में साध्वी ऋतंभरा से भी मुलाकात की थी। उन्होंने कहा था कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में न्यायालय समेत कई स्तरों पर प्रयास किए गए, लेकिन समाधान नहीं निकला। इसलिए कारसेवा का फैसला लिया गया। कारसेवा के ऐलान के बाद पुलिस ने स्वामी सच्चिदानंद महाराज समेत ब्रज के कई संतों, साध्वियों और धर्माचार्यों को नोटिस जारी किए थे।



यह चित्रगुप्त पीठ के पीठाधीश्वर संत सच्चिदानंद महाराज का आश्रम है।

डीएम ने अभिषेक सिंह को बनाया सदर एसडीएम, अभय सिंह एसडीएम न्यायिक बने

3 महीने में 3 एसडीएम बदले

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में प्रशासनिक स्तर पर एक बार फिर बड़ा फेरबदल किया गया है। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने डिप्टी कलक्टर अभिषेक कुमार सिंह को सदर तहसील का नया उपजिलाधिकारी (SDM) नियुक्त किया है। अभिषेक कुमार सिंह इससे पहले ठाकुरद्वारा तहसील में SDM के पद पर तैनात थे। उनके स्थान पर अब वेदप्रकाश पांडेय को ठाकुरद्वारा तहसील की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सदर तहसील में पिछले तीन महीनों के दौरान यह तीसरी SDM नियुक्ति है। लगातार हो रहे इन तबादलों और नई तैनातियों को जिले के प्रशासनिक स्तर पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव के साथ तहसीलों के कामकाज में भी बदलाव देखने को मिल सकता है।



सदर तहसील में इससे पहले IAS डॉ. राममोहन मीणा लंबे समय तक SDM के पद पर तैनात रहे थे। उनके कार्यकाल के दौरान सरकारी जमीन से जुड़ी एक कार्रवाई काफी चर्चा में रही थी। नेशनल हाईवे बाईपास स्थित धीमरी गांव में करीब 10 बीघा सरकारी जमीन पर बनी बाउंड्री को प्रशासन ने ध्वस्त कराया था। बाद में इस जमीन को मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय के निर्माण के लिए आवंटित किया गया। इस कार्रवाई के बाद तत्कालीन भाजपा मेयर विनोद अग्रवाल और प्रशासन के बीच विवाद की स्थिति बनी थी। मेयर ने तत्कालीन जिलाधिकारी अनुज सिंह और SDM डॉ. राममोहन मीणा के खिलाफ शासन और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से शिकायत की थी। इसके बाद प्रशासनिक स्तर पर भी बदलाव देखने को मिला। 5 मई को तत्कालीन जिलाधिकारी अनुज सिंह का तबादला कर उन्हें मुख्यमंत्री का विशेष सचिव बनाया गया।

अभय सिंह का भी ज्यादा लंबा नहीं चला कार्यकाल

डॉ. राममोहन मीणा के स्थानांतरण के बाद डिप्टी कलक्टर अभय सिंह को सदर तहसील का SDM बनाया गया था। हालांकि, उनका कार्यकाल भी ज्यादा लंबा नहीं चला। अब उन्हें SDM न्यायिक बिलारी और SDM न्यायिक कांठ की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, जिले में हाल ही में आए वेदप्रकाश पांडेय को ठाकुरद्वारा तहसील का नया SDM नियुक्त किया गया है। प्रशासनिक स्तर पर लगातार हो रहे इन बदलावों को जिले में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सरकारी जमीन की कार्रवाई के बाद चर्चा में आए थे मीणा

इससे पहले IAS डॉ. राममोहन मीणा लंबे समय तक सदर तहसील के SDM रहे थे। सरकारी जमीन पर बनी भाजपा मेयर विनोद अग्रवाल की बाउंड्री को हटाने की कार्रवाई के बाद वह चर्चा में आए थे।

ठाकुरद्वारा में वेदप्रकाश पांडेय को जिम्मेदारी

जिले में हाल ही में आए वेदप्रकाश पांडेय को ठाकुरद्वारा तहसील का नया SDM नियुक्त किया गया है। प्रशासनिक फेरबदल के तहत उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। एक ही जिले में तहसील स्तर पर लगातार अधिकारियों की जिम्मेदारियां बदलने से प्रशासनिक गतिविधियों पर भी इसका असर देखने को मिल सकता है। खासतौर पर सदर तहसील में कम समय के भीतर तीसरी नियुक्ति होने से यह बदलाव चर्चा में है।जिलाधिकारी के आदेश के बाद संबंधित अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां संभालने के निर्देश दिए गए हैं। अब सदर तहसील में अभिषेक कुमार सिंह और ठाकुरद्वारा में वेदप्रकाश पांडेय अपने-अपने पद की जिम्मेदारी संभालेंगे।

बलदेव डाकघर की सुस्त व्यवस्था से आठ दिन में कछुआ चाल से पहुंची स्पीड पोस्ट

अभ्यर्थियों में आक्रोश, पांच दिन तक डाकघर में पड़ी रही स्पीड पोस्ट

तमसा संकेत, संवाददाता

बलदेव। बलदेव डाकघर की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करते हुए अभ्यर्थियों ने स्पीड पोस्ट में हुई देरी पर नाराजगी जताई है। बलदेव से प्रयागराज भेजी गई स्पीड पोस्ट को गंतव्य तक पहुंचने में आठ दिन लग गए। अभ्यर्थी का कहना है जरूरी दस्तावेज समय पर नहीं पहुंचने से बच्चों के भविष्य को नुकसान हो सकता है।

राजेश ब्रजवासी ने बताया 31 जुलाई को बलदेव डाकघर से स्पीड पोस्ट की गई थी, पूरी फीस जमा की गई, इसके बावजूद 7 अगस्त को प्रयागराज पहुंचने का मैसेज आया। यह देखकर वह चौंक गए स्पीड पोस्ट को प्रयागराज पहुंचने में आठ दिन लग गए। ऑनलाइन डाक की स्थिति जांचने पर पता चला करीब पांच दिन तक स्पीड पोस्ट बलदेव में ही पड़ी रही। राजेश ब्रजवासी ने कहा आवश्यक दस्तावेज और समयबद्ध सेवाओं के लिए लोग स्पीड पोस्ट कराते हैं। यदि डाक कई दिनों तक डाकघर में ही पड़ी रहेगी तो इससे अभ्यर्थियों को काफी नुकसान हो सकता है। डाक विभाग की गंभीर लापरवाही बताते हुए व्यवस्था में सुधार की मांग की।

पोस्टमास्टर देवीचरण मीणा ने बताया बलदेव डाकघर में इंटरनेट की समस्या हो गई थी। इसके चलते उन दिनों डाकघर की सभी डाक सुविधाएं प्रभावित हुई थीं। इंटरनेट की समस्या का समाधान होने के बाद डाक सेवा सामान्य हुई, डाक को आगे भेजा जा सका।

अभ्यर्थियों ने डाक विभाग के उच्चाधिकारियों से मामले की जांच कर व्यवस्था में सुधार कराने की मांग की है, भविष्य में आवश्यक दस्तावेजों की डिलीवरी में देरी से किसी अभ्यर्थी को नुकसान न उठाना पड़े।

पृष्ठ 01 का शेष...

राहुल-अखिलेश...

भाजपा सरकार ने कांवड़ यात्रियों को सुरक्षा दी और उनके स्वागत की व्यवस्था की। आज गाजियाबाद से हरिद्वार के बीच लाखों शिवभक्त यात्रा कर रहे हैं। अब यूपी में कर्फ्यू और दंगा नहीं है। हर व्यक्ति अपने काम-धंधे में लगा है। बेटी और व्यापारी की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा। पिछले 9 साल में प्रदेश में कोई बड़ा सांप्रदायिक दंगा नहीं हुआ। त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने 9 अगस्त, 1925 की काकोरी घटना का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर भी निशाना साधा। कहा- राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान, ठाकुर रोशन सिंह, चंद्रशेखर आजाद और अन्य क्रांतिकारियों ने देश की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित किया। लंबे समय तक सत्ता में रहने वालों ने क्रांतिकारियों के योगदान को उचित सम्मान नहीं दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काकोरी घटना का नाम 'काकोरी ट्रेन एक्शन' कर क्रांतिकारियों के योगदान को सम्मान देने का काम किया। कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए देश को जाति, क्षेत्र और भाषा के आधार पर बांटने की राजनीति की।

कभी सिद्धार्थनगर को पिछड़े और आकांक्षी जिले के रूप में देखा जाता था। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और कृषि विकास के क्षेत्र में जिला पीछे था। पिछले 8-9 साल में केंद्र और राज्य सरकार के प्रयासों से तस्वीर बदली है। नीति आयोग की रैंकिंग में सिद्धार्थनगर बेहतर प्रदर्शन कर चुका है। योगी ने सिद्धार्थनगर में मेडिकल कॉलेज, काला नमक चावल और कपिलवस्तु के विकास का जिक्र किया। कहा कि वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट के तहत काला नमक चावल को बढ़ावा दिया जा रहा है। कपिलवस्तु में बुद्ध थीम पार्क और विपश्यना केंद्र के लिए भी काम किया जा रहा है। प्रदेश में जल्द नई युवा नीति लाई जाएगी। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए वर्चुअल और फिजिकल क्लास की व्यवस्था होगी। आईटीआई में अब केवल पारंपरिक ट्रेड नहीं, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स और 3D प्रिंटिंग जैसी आधुनिक तकनीकों की ट्रेनिंग दी जा रही है।

देश में ई20 लागू...

ट्रम्प की पुलिस 24 घंटे में शेर को लेकर आ गई और पुतिन की पुलिस एक घंटे में शेर को खोज लाई। लेकिन, मोदीजी की पुलिस को कई दिन लग गए। तलाशी के दौरान पता चला कि वे एक कुत्ते को पकड़कर बुरी तरह पीट रहे थे और उससे कहलवाने की कोशिश कर रहे थे कि बोल मैं शेर हूं। केजरीवाल ने कहा- मोदीजी ने आज देश की यही स्थिति कर दी है। 140 करोड़ लोगों को पीटा जा रहा है और उनसे कहा जा रहा है कि वे कहें- E20 सही है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय सोशल मीडिया पर मिश्रित ईंधन को लेकर किए जा रहे दावों पर लगातार जानकारी दे रहा है। मंत्रालय ने जून में कहा था कि एथेनॉल मिले पेट्रोल को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ भ्रामक और बिना सबूत वाले दावे फैलाए जा रहे हैं।

मंत्रालय ने कहा था कि एथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम वैज्ञानिक जांच से प्रमाणित है और सरकार इसकी लगातार निगरानी कर रही है। सरकार के अनुसार, अमेरिका, ब्राजील और जापान जैसे देशों में एथेनॉल मिश्रित ईंधन का सफलतापूर्वक उपयोग हो रहा है। ब्राजील में तो E27 लंबे समय से ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

मेरी गाड़ी पर...

इस दौरान चोर-चोर के नारे लगने लगे और कुछ लोगों ने रैली में शामिल लोगों पर अंडे फेंकने शुरू कर दिए। टीएमसी ने आरोप लगाया कि हंगामा भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया। इस दौरान मारपीट भी की। ममता ने कहा कि बंगाल में अराजकता फैल गई है। पुलिस भाजपा कार्यकर्ताओं की तरह काम कर रही है। 4 मई को बंगाल विधानसभा में रिजल्ट वाले दिन ममता बनर्जी ने काउंटिंग सेंटर से बाहर निकलने पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा कि काउंटिंग सेंटर के अदंर उनपर हमला किया गया। उन्हें मारा गया और धक्का दिया गया। ममता ने कहा कि CCTV कैमरे बंद कर दिए गए थे। ममता बनर्जी के मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद भी उनकी Z+ सुरक्षा बरकरार है। मई 2026 में पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद उनके आवास के बाहर की अतिरिक्त पुलिस व्यवस्था कम की गई थी, लेकिन Z+ सुरक्षा हटाई नहीं गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ममता बनर्जी की Z+ सुरक्षा में करीब 55 कर्मियों का सुरक्षा घेरा रहता है। अगर सुरक्षा एजेंसियों को किसी नेता पर गंभीर खतरा लगता है, तो CM पद छोड़ने के बाद भी Z+ सुरक्षा जारी रह सकती है। नेता अगर अभी भी सक्रिय राजनीति में है और लगातार रैलियों, सभाओं और सार्वजनिक कार्यक्रमों में जाता है, तो सुरक्षा की जरूरत बनी रहती है। सुरक्षा एजेंसियां समय-समय पर खतरे की समीक्षा करती हैं। खतरा कम होने पर सुरक्षा घटाई जा सकती है और बढ़ने पर बढ़ाई भी जा सकती है।

कांग्रेसी ऐसे बयान...

कि राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में वही मुद्दे उठाए गए थे, जो 'कॉकरोच जनता पार्टी' ने उठाए थे। जब उनसे पूछा गया कि 'छात्रों की गूंज' रैलियां जंतर-मंतर पर हुए कार्यक्रम जितना असर क्यों नहीं डाल पाईं, तो थरूर ने कहा था, "सही है। इसलिए हमें खुद से पूछना चाहिए कि हमसे क्या नहीं हो पाया।" उन्होंने कहा था, "क्या हम छात्रों की बात सुनने में नाकाम रहे? क्या हम उस पुराने मुहावरे पर खरे नहीं उतरे कि हमें जनता की नब्ज पर उंगली रखनी चाहिए? क्या हमारी उंगली जेन जी की नब्ज से हट गई थी? हमें इस पर गंभीरता से विचार करना होगा।" विवाद बढ़ने के बाद शनिवार को थरूर ने X पर लिखा कि मीडिया उनके बयान को "अपनी ही पार्टी या उसके नेतृत्व पर हमला" बता रहा है। उन्होंने कहा कि उनका जोर इस बात पर था कि राजनीतिक दलों को अपने दरवाजे खोलने चाहिए और अगली पीढ़ी के लिए राजनीति को दिशा देने की ताकत हासिल करने के रास्ते बनाने चाहिए। राहुल गांधी का 'छात्रों की गूंज' कांग्रेस का छात्र और युवा आउटरीच अभियान है। इसे 17 जून 2026 को राजस्थान के कोटा से शुरू किया गया था। अभियान का फोकस पेपर लीक, भर्ती में देरी, परीक्षा व्यवस्था की खामियां, बेरोजगारी और शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर छात्रों की आवाज उठाना है। कांग्रेस ने इसे 40 दिन के देशव्यापी अभियान के तौर पर शुरू किया था। राहुल गांधी ने इसके तहत कोटा और देहरादून में बड़े छात्र कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। देहरादून में 17 जुलाई को कार्यक्रम हुआ था। इसके बाद अभियान का अगला बड़ा कार्यक्रम 8 अगस्त को प्रयागराज में हुआ, जहां राहुल गांधी ने छात्रों और युवाओं से संवाद किया। दिल्ली में राहुल का एक कार्यक्रम बाकी है। इस दौरान राहुल ने पेपर लीक और देश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार से जुड़े मुद्दे उठाए हैं। उन्होंने कई बार अपने साथ स्टेज पर अपने साथ कई स्टूडेंट्स और टीचर्स को भी बोलने का मौका दिया है।

यू 20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत का तीसरा पदक, तीसरे राउंड में 7.84 मीटर छलांग लगाई

शाहनवाज खान ने लॉन्ग जंप में ब्रॉन्ज जीता

जीत



इटली के इंजोली ने 7.97 मीटर की छलांग के साथ गोल्ड और ऑस्ट्रेलिया के मैकग्रोडर ने 7.96 मीटर के साथ सिल्वर मेडल जीता।

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय एथलीट शाहनवाज खान ने रविवार को अमेरिका के यूजीन में चल रही अंडर-20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लॉन्ग जंप में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने फाइनल में तीसरे राउंड में 7.84 मीटर की छलांग लगाकर पोडियम स्थान हासिल किया।

18 साल के शाहनवाज इस चैंपियनशिप में मेडल जीतने वाले तीसरे भारतीय हैं। उनसे पहले शनिवार को आशीष यादव ने जेवलिन थ्रो में और बासंत कुमार मेघवाल ने हाई जंप में सिल्वर जीता। इससे पहले बासंत कुमार मेघवाल ने हाई जंप में अपने बेस्ट प्रदर्शन के साथ सिल्वर मेडल जीता था। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के शहर अनूपगढ़ के 19 साल क मेघवाल ने 2.21 मीटर की ऊंचाई पार की थी।

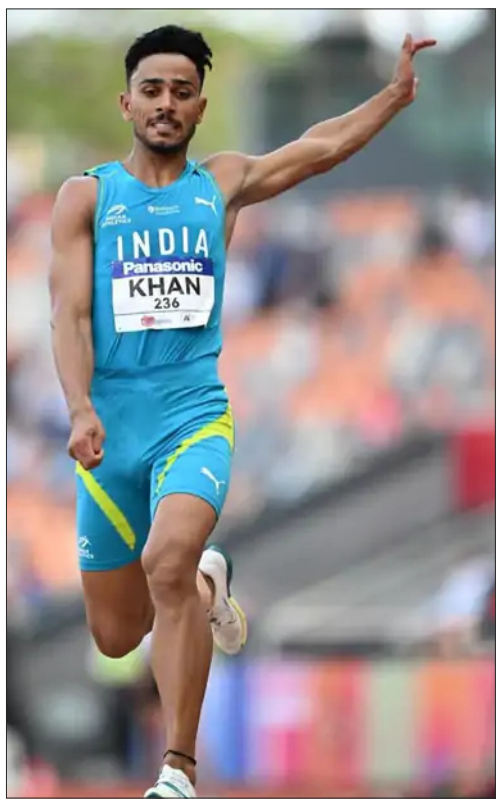
उन्होंने चैंपियनशिप के चौथे और अंतिम से एक पहले दिन शनिवार को यह उपलब्धि हासिल की। यह 2.21 मीटर की छलांग उनके करियर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। अल्जीरिया के यूनेस अयाची ने गोल्ड और ग्रेट ब्रिटेन के ओटिस पूल ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

तीसरे राउंड में 7.84 मीटर की छलांग

एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने रविवार को पोस्ट कर लिखा, शाहनवाज ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। भारत के लिए पदक संख्या तीन।

फेडरेशन ने आगे लिखा, यह जुझारूपन से भरी प्रतियोगिता थी। शुरुआत में पीछे रहने के बाद शाहनवाज ने पूरी ताकत लगाई। उन्होंने तीसरे राउंड में शानदार 7.84 मीटर की छलांग लगाई और पांचवें राउंड में 7.83 मीटर के साथ इसे मजबूत किया।





शाहनवाज खान ने तीसरे राउंड में 7.84 मीटर की छलांग लगाकर ब्रॉन्ज जीता।

अश्मिता चालीहा ने कोरिया मास्टर्स जीता

बैडमिंटन फाइनल में चीन की खिलाड़ी को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी



भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अश्मिता चालिहा ने रविवार को कोरिया मास्टर्स सुपर 300 महिला सिंगल्स का खिताब जीता। उन्होंने 53 मिनट चले फाइनल मुकाबले में चीन की चौथी सीड हान कियान शी को हराया। उन्होंने 14-21, 21-14, 21-14 से जीत दर्ज कर अपना पहला BWF वर्ल्ड टूर खिताब जीता। भारत ने लगातार दूसरा BWF वर्ल्ड टूर फाइनल का खिताब अपने नाम किया। इससे पहले तन्वी शर्मा ने पिछले रविवार यानी 2 अगस्त को ताइपे ओपन जीता था।

अश्मिता ने मैच की शुरुआत में 3-0 की बढ़त बनाई। वह शुरुआती दौर में 9-5 से आगे थीं। इसके बाद हान ने वापसी की और दोनों खिलाड़ी 11-11 की बराबरी पर पहुंच गईं। चीनी खिलाड़ी ने लगातार अंक जुटाकर खेल पर कंट्रोल बनाया। हान ने पहला गेम जीतकर बढ़त हासिल की।

अश्मिता ने दूसरे गेम में आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने स्मैश से हान पर दबाव बनाया और तेज डिफेंसिव रिटर्न से 6-6 के बाद बढ़त बना ली। ब्रेक के समय अश्मिता 11-8 से आगे थीं। इसके बाद भी उन्होंने रैलियों पर नियंत्रण बनाए रखा। हान अंतर कम नहीं कर सकीं और अश्मिता 17-10 से आगे हो गईं। भारतीय खिलाड़ी ने एक और तेज अटैकिंग शॉट के साथ गेम 21-14 से जीतकर मुकाबला बराबर कर दिया।

गिल वॉर्मअप मैच के तीसरे दिन बैटिंग करने उतरे

भारत को 207 रन का टारगेट दिया

भारत के कप्तान शुभमन गिल उंगली की चोट के तीन दिन बाद पहली बार बल्लेबाजी करने उतरे। उन्होंने रविवार को कोलंबो के नॉनडेस्क्रिप्ट्स क्रिकेट ग्राउंड में श्रीलंका क्रिकेट XI के खिलाफ तीन दिवसीय वॉर्मअप मैच के तीसरे दिन बैटिंग करने उतरे हैं।

भारत ने दिन का खेल शुरू होने से पहले अपनी पहली पारी 357/6 के स्कोर पर घोषित कर दी थी। इसके जवाब में श्रीलंका क्रिकेट XI ने अपनी दूसरी पारी 200/6 के स्कोर पर घोषित की और भारत के सामने 207 रन का लक्ष्य रखा। इससे पहले श्रीलंका-XI ने पहली पारी में 363/8 का स्कोर बनाया था। वॉर्मअप मैच शुरू होने से एक दिन पहले गुरुवार को ट्रेनिंग के दौरान गिल की उंगली में चोट लगी थी। इसके बाद वे मैच के पहले दो दिन मैदान पर नहीं उतरे थे। BCCI



ने अपने बयान में कहा था, गुरुवार को भारत के प्रैक्टिस सेशन के दौरान कप्तान शुभमन गिल की दाहिनी हाथ की उंगली में चोट लगी। एहतियात के तौर पर वे श्रीलंका क्रिकेट XI के खिलाफ अभ्यास मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे।

गिल की गैरमौजूदगी में KL राहुल ने कप्तान की भूमिका निभाई। गिल भारत की पहली पारी में बल्लेबाजी करने नहीं उतरे।भारत की ओर से बाएं हाथ के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने नाबाद 142 रन की पारी खेली।

भारत ने पहली पारी में 90 ओवर में 6 विकेट पर 357 रन बनाकर पारी घोषित की। देवदत्त पडिक्कल ने 142 रन की नाबाद पारी खेली। रवींद्र जडेजा ने 63, केएल राहुल ने 40, मानव सुथार ने 41 और गुनूर बरार ने नाबाद 36 रन बनाए। श्रीलंका-XI की ओर से रमेश मेंडिस और असंका मनोज ने 2-2 विकेट लिए, जबकि विश्वा फर्नांडो और केशारा नुवान्था को एक-एक सफलता मिली।

अगले सप्ताह गॉल में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप अभियान फिर शुरू होने से पहले भारत को कई चोटों का सामना करना पड़ा है।

13 साल की उम्र में मेसी को बार्सिलोना ले गए, दो दशक तक उनके एजेंट रहे

लियोनेल मेसी के पिता जॉर्ज मेसी का निधन

नई दिल्ली, एजेंसी

अर्जेंटीना के फुटबॉलर लियोनेल मेसी के पिता जॉर्ज मेसी का 68 साल की उम्र में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे। पिछले कुछ महीनों से उनका इलाज चल रहा था। मेसी के बचपन के क्लब न्यूवेल्स ओल्ड बॉयज ने शनिवार को उनके निधन की पुष्टि की। क्लब ने शोक जताते हुए उन्हें मेसी के करियर की सबसे मजबूत ताकत बताया। जॉर्ज सिर्फ मेसी के पिता नहीं थे। वे दो दशक से ज्यादा समय तक उनके एजेंट और सलाहकार भी रहे। बार्सिलोना, PSG और इंटर मियामी जैसे बड़े क्लब ट्रांसफर में उनकी अहम भूमिका रही।

जून में मेसी परिवार ने बताया था कि जॉर्ज स्वास्थ्य संबंधी समस्या से



जूझ रहे हैं। वे डॉक्टरों की निगरानी में थे। परिवार ने मीडिया से अफवाहें न फैलाने और प्राइवेसी का सम्मान करने की अपील भी की थी।

जॉर्ज अर्जेंटीना के रोसारियो में स्टील फैक्ट्री में काम करते थे। शुरुआती दिनों में उन्होंने मेसी को स्थानीय क्लब में ट्रेनिंग भी दी।

जब मेसी में ग्रोथ हार्मोन डिफिशिएंसी का पता चला, तब इलाज का खर्च उठाना मुश्किल था। ऐसे में जॉर्ज 13 साल के मेसी को लेकर बार्सिलोना

क्लब ने आधा झंडा झुकाया

न्यूवेल्स ओल्ड बॉयज ने श्रद्धांजलि में क्लब का झंडा आधा झुका दिया। क्लब ने कहा, जॉर्ज और उनकी पत्नी सेलिया ने मेसी के हर सफर में साथ दिया। बचपन की ट्रेनिंग से लेकर वर्ल्ड फुटबॉल के टॉप तक पहुंचने में जॉर्ज का योगदान रहा।

पहुंचे। बार्सिलोना ने ला मासिया अकादमी में दाखिला दिया। इलाज का खर्च भी क्लब ने उठाया। इसके बाद जॉर्ज हर कदम पर बेटे के साथ रहे। 2023 में बार्सिलोना अध्यक्ष जोआन लापोर्टा को भी जॉर्ज ने ही मेसी के इंटर मियामी जाने का फैसला बताया था। 2026 फीफा वर्ल्ड कप के दौरान भी जॉर्ज की तबीयत चर्चा में रही। अल्जीरिया के



लियोनेल मेसी पिता जॉर्ज के साथ।

मेसी के प्रोफेशनल करियर की शुरुआत से ही जॉर्ज उनके एजेंट रहे। उन्होंने बार्सिलोना के बड़े कॉन्ट्रैक्ट, 2021 में क्लब छोड़ने की प्रक्रिया, पीएसजी और बाद में इंटर मियामी ट्रांसफर तक सभी अहम बातचीत संभाली।

खिलाफ गोल करने के बाद भावुक हुए मेसी ने कहा था कि पिछले कुछ दिन उनके लिए बेहद मुश्किल रहे हैं। बाद में परिवार ने बयान जारी कर बीमारी की पुष्टि की।

मनोरंजन

सलमान खान के रियलिटी शो पर 'लॉक अप' विनर का शॉकिंग बयान

बिग बॉस 20 में होगी श्रेया कालरा की एंट्री?

नई दिल्ली। सुपरस्टार सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस सीजन 20 के आधिकारिक एलान हो गया है। नए सीजन में शामिल होने वाले कंटेस्टेंट्स को लेकर तरह-तरह की रिपोर्ट सामने आ रही हैं। खबर ये भी आई कि बिग बॉस 20 में शामिल होने को लेकर रेस में श्रेया कालरा का नाम भी बना हुआ है।

जिन्होंने हाल ही में लॉक अप सीजन 2 को जीता है। अब श्रेया कालरा की तरफ से स्पष्टीकरण आ गया है। ऐसे में आइए जानते हैं कि श्रेया क्या आपको सलमान के बिग बॉस 20 में नजर आएंगी या नहीं।

बिग बॉस 20 का फैंस बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जब से सलमान



खान के इस रिलयिटी शो का प्रोमो वीडियो सामने आया है, तब से फैंस की एक्साइटमेंट सातवें आसमान पर है। ऐसा माना जा रहा था कि रितेश देशमुख और फराह खान के रियलिटी शो लॉक अप को जीतने वालीं श्रेया कालरा भी बिग बॉस 20 का हिस्सा बन सकती हैं। इस मामले को लेकर अब श्रेया तस्वीर साफ कर दी और बताया है कि वह सलमान खान के रियलिटी शो का हिस्सा नहीं बनेंगी। अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वॉइस नोट के जरिए श्रेया कालरा ने कहा है-अभी-अभी एक पागलखाने से बाहर आई हूं और तुरंत ही इस तरह से रिलयिटी शो का हिस्सा बनने के लिए मैं मानसिक तौर पर तैयार नहीं हूं। हां अगर किसी और शो में गैंगलीडरशिप का कुछ ऑफर आता है तो मैं उसके लिए एक्साइटेड हूं।

इस तरह से श्रेया कालरा ने बिग बॉस 20 को लेकर अपनी राय रखी है और शो का हिस्सा बनने से साफ इनकार कर दिया है। बता दें कि लॉक अप 2 को जीतने के बाद श्रेया को करोड़ का कैश प्राइज और एक चमचमाती ट्रॉफी मिली है।

एक्ट्रेस चार्ली चौहान ने क्रिकेटर रमनदीप सिंह से की शादी

नई दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस चार्ली चौहान ने कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) के क्रिकेटर रमनदीप सिंह से शादी कर ली है। दोनों ने 7 गुरुद्वारे में सिख रीति-रिवाज से शादी की। इस शादी में परिवार के लोग और नजदीकी दोस्त शामिल हुए। चार्ली और रमनदीप पिछले 8 सालों से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे, लेकिन उन्होंने अपने रिश्ते को मीडिया और फैंस से छिपाकर रखा था। शादी का आयोजन काफी सादगी से किया गया। शादी के दौरान रमनदीप ने क्रीम कलर की शेरवानी और मेहरून पगड़ी पहनी थी, जबकि चार्ली मेहरून रंग के ट्रेडिशनल लहंगे और हैवी ज्वेलरी में नजर आईं। दोनों की शादी की तस्वीरें सामने आने के बाद भारतीय क्रिकेटर शुभमन गिल समेत टीवी और क्रिकेट जगत की हस्तियों ने उन्हें बधाई दी।

बोलीं- जो अपनी पत्नी को सम्मान नहीं दे सकता, वो इंडस्ट्री में किसी को क्या इज्जत देगा

निरहुआ-आम्रपाली पर भड़कीं काजल राघवानी

नई दिल्ली। भोजपुरी बवाल शो में भोजपुरी स्टार्स में जारी जुबानी जंग के बीच अभिनेत्री काजल राघवानी ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' और आम्रपाली दुबे पर तीखा हमला बोला है। काजल ने निरहुआ के अपनी पत्नी को लेकर दिए गए हालिया बयान पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जो इंसान अपने संघर्ष के दिनों में साथ देने वाली पत्नी का सम्मान नहीं कर सकता, वह किसी और की क्या इज्जत करेगा।

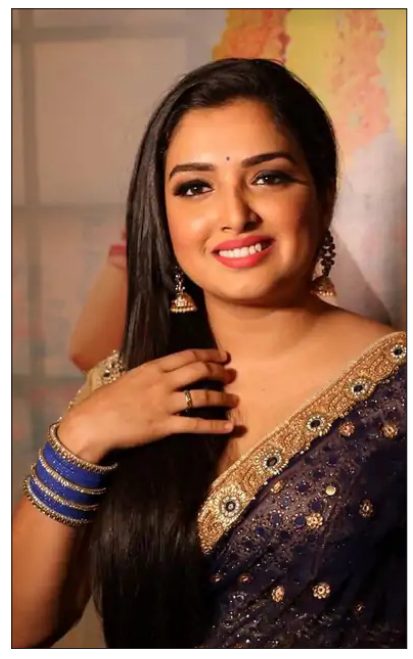
इसके साथ ही काजल ने आम्रपाली दुबे के करियर, नीलम गिरी के बयानों और अपनी अंग्रेजी



को लेकर बनाए जा रहे मजाक पर भी अपनी बात रखी।

इस विवाद की शुरुआत भोजपुरी बवाल शो के दौरान कलाकारों द्वारा एक-दूसरे के करियर, पर्सनल लाइफ और काम न देने के आरोपों से हुई थी।

काजल राघवानी ने सोशल मीडिया लाइव में निरहुआ के उस इंटरव्यू का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने अपनी पत्नी मंशा



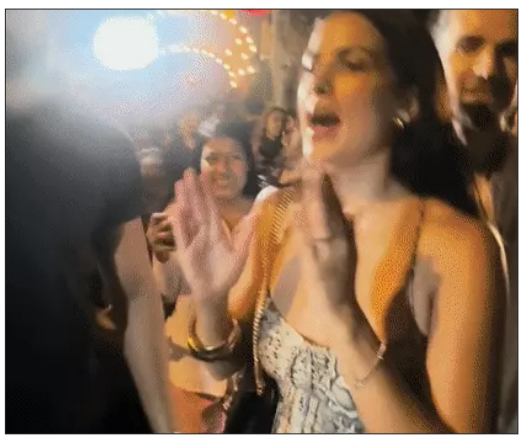
यादव के लिए कहा था कि प्यार नहीं करता, यह मेरा फर्ज है।ह काजल ने कहा कि निरहुआ की पत्नी ने उनके मुश्किल दौर में साथ दिया।

लगातार तस्वीरें लेने से हुईं अनकंफर्टेबल, दोस्त अलेक्जेंडर ने भीड़ से बचाया

पैपराजी पर भड़कीं हार्दिक की एक्स-वाइफ नताशा स्टेनकोविक

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पंड्या की एक्स-वाइफ नताशा स्टेनकोविक पैपराजी पर भड़क गईं। यह घटना शनिवार रात हुई, जब नताशा को मुंबई के जुहू इलाके में स्पॉट किया गया था। नताशा अपने करीबी दोस्त और मॉडल अलेक्जेंडर एलेक्स इलिक के साथ नजर आईं। पैपराजी ने उन्हें कैमरे में कैद करने के लिए घेर लिया और लगातार तस्वीरें लेने लगे। इस दौरान नताशा असहज नजर आईं। वह पैपराजी के लगातार तस्वीरें लेने और प्राइवेसी में दखल देने से नाराज दिखीं।

दरअसल, लैंड रोवर मुंबई के इंस्टाग्राम पेज पर तस्वीरें और वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया था, 'हार्दिक पंड्या ने एक बार फिर अपनी डिफेंडर खरीदने के लिए नवनीत मोटर्स को चुना।



भरोसे पर बना रिश्ता। उत्कृष्टता पर टिका फैसला। मुंबई में डिलीवर, लैंड रोवर डिफेंडर। अगस्त्य पंड्या और स्टेनकोविक को प्रेजेंट। दमदार परफॉर्मेंस के लिए तैयार। आगे बढ़कर नेतृत्व करने वालों के लिए बनाई गई।'बता दें कि हार्दिक ने दिसंबर 2025 में सोशल मीडिया पर अपनी गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा की

हार्दिक ने 2020 में नताशा स्टेनकोविक से शादी की थी

बता दें कि हार्दिक ने मई 2020 में नताशा स्टेनकोविक से शादी की थी। उसी साल नताशा ने बेटे अगस्त्य को 30 जुलाई 2020 को जन्म दिया। साल 2024 में दोनों अलग हो गए। हार्दिक इन दिनों माहिका शर्मा को डेट कर रहे हैं। वहीं, हार्दिक पंड्या ने फरवरी के महीने में बेटे अगस्त्य पंड्या को एक लग्जरी कार गिफ्ट की थी। कार डिलीवरी के फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए थे। हार्दिक ने बेटे को लैंड रोवर डिफेंडर गिफ्ट की थी, जिसकी कीमत लगभग 4 करोड़ रुपए बताई गई थी।

तस्वीरों को लेकर नाराजगी जताई थी। दरअसल, कुछ पैपराजी ने माहिका की फोटो गलत एंगल से क्लिक की, जब वह मुंबई के बांद्रा इलाके में एक रेस्टोरेंट की सीढ़ियों से नीचे उतर रही

वेलकम वाली कॉमेडी करेंगे अक्षय कुमार

15 साल बाद अनीस बज्मी संग होगी वापसी



नई दिल्ली। वेलकम फिल्म के जरिए अभिनेता ने अक्षय कुमार ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया था। इस कॉमेडी मूवी का डायरेक्शन अनीज बज्मी ने किया था। इस साल ये खबर सामने आई थी कि अक्षय और अनीस की जोड़ी एक और नई फिल्म के लिए साथ आ रही है।

अब इस अनटाइटल मूवी को लेकर लेटेस्ट अपडेट सामने आ रहा है, जो शूटिंग से जुड़ा है। साल 2011 में फिल्म थैंक यू की रिलीज के करीब 15 साल बाद हिंदी सिनेमा के खिलाड़ी अभिनेता अक्षय कुमार एक बार फिर फिल्मकार अनीस बज्मी के निर्देशन में काम कर रहे हैं। अनीस और अक्षय कि पिछली फिल्मों की तरह दोनों एक बार कॉमेडी और मनोरंजक फिल्म पर काम कर रहे हैं।

बाद में चीन के दूत से बात होगी, अगले दिन अमेरिकी अधिकारी से वन-टू-वन बैठक

नेपाल पीएम बालेन सोमवार को पहले भारतीय राजदूत से मिलेंगे

मुलाकात

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह सोमवार को सबसे पहले भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव से मुलाकात करेंगे। इसके बाद वे चीन के राजदूत झांग माओमिंग से बातचीत करेंगे। मंगलवार को शाह अमेरिकी दूतावास के प्रभारी अधिकारी स्कॉट अर्बोम से वन-टू-वन बैठक करेंगे।

काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री बनने के बाद यह पहली बार होगा, जब शाह किसी विदेशी राजदूत से अकेले में मिलेंगे। इससे पहले वे विदेशी राजदूतों के साथ सामूहिक बैठकों को प्राथमिकता देते रहे थे। नेपाल के भारत से लगे दक्षिणों इलाकों में पिछले हफ्ते सांप्रदायिक हिंसा फैल गई थी। शाह ने अमेरिकी अधिकारियों समीर पॉल कपूर और सर्जियो गोर से मुलाकात के अनुरोध भी स्वीकार नहीं किए थे। अमेरिकी विदेश विभाग की अंडर सेक्रेटरी सारा बी. रोजर्स भी नेपाल दौरे पर आई थीं, लेकिन उनकी शाह से मुलाकात नहीं हो सकी थी। इसके बजाय शाह ने 9 अप्रैल और 26 मई को काठमांडू में तैनात कई देशों के राजदूतों के साथ सामूहिक बैठकें की थीं। शाह की सामूहिक बैठकों की नीति को नेपाल के कई राजनयिकों और विदेश नीति के जानकारों ने संतुलित कदम बताया था। उनका मानना था कि इससे किसी एक देश को ज्यादा तवज्जो देने का संदेश नहीं जाता और सभी देशों के साथ बराबरी का व्यवहार दिखता है।



भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने 9 अप्रैल को नेपाल के PM बालेन शाह से काठमांडू में मुलाकात की थी।

नेपाल के भारत से लगे दक्षिणों इलाकों में पिछले हफ्ते सांप्रदायिक हिंसा फैल गई थी। शाह ने अमेरिकी अधिकारियों समीर पॉल कपूर और सर्जियो गोर से मुलाकात के अनुरोध भी स्वीकार नहीं किए थे। अमेरिकी विदेश विभाग की अंडर सेक्रेटरी सारा बी. रोजर्स भी नेपाल दौरे पर आई थीं, लेकिन उनकी शाह से मुलाकात नहीं हो सकी थी। इसके बजाय शाह ने 9 अप्रैल और 26 मई को काठमांडू में तैनात कई देशों के राजदूतों के साथ सामूहिक बैठकें की थीं। शाह की सामूहिक बैठकों की नीति को नेपाल के कई राजनयिकों और विदेश नीति के जानकारों ने संतुलित कदम बताया था। उनका मानना था कि इससे किसी एक देश को ज्यादा तवज्जो देने का संदेश नहीं जाता और सभी देशों के साथ बराबरी का व्यवहार दिखता है।

इन बैठकों में नेपाल के भारत, चीन और अमेरिका के साथ रिश्तों और मौजूदा मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

दो हफ्ते पहले होनी थी मुलाकात, हिंसा के बाद टली

शाह की इन राजनयिकों से मुलाकात करीब दो हफ्ते पहले तय थी, लेकिन सुनसरी और दूसरे जिलों में हुई सांप्रदायिक हिंसा के बाद इसे टाल दिया गया था।

अब सरकार ने दोबारा बैठकें तय की हैं। प्रधानमंत्री के एक सलाहकार के मुताबिक, संबंधित दूतावासों को मुलाकात का समय बता दिया गया है।

पहले विदेशी अधिकारियों से अकेले नहीं मिलते थे शाह

प्रधानमंत्री बनने के शुरुआती दौर में शाह ने विदेश मंत्री के स्तर से नीचे के विदेशी अधिकारियों से वन-टू-वन मुलाकात नहीं करने की नीति अपनाई थी। इसी वजह से भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री की 11-12 मई की नेपाल यात्रा भी विवादों के बीच टल गई थी। नेपाली अधिकारियों के मुताबिक, शाह का मिस्री से अकेले में मिलने से इनकार भी इसकी वजहों में शामिल था।



नेपाल के भारत से लगे दक्षिणों इलाकों में पिछले हफ्ते सांप्रदायिक हिंसा फैल गई थी।

रोजाना इस्तेमाल होने वाली चीजें महंगी होंगी

बिस्किट से लेकर साबुन-तेल सबकी कीमतें बढ़ेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में जल्द ही रोजाना इस्तेमाल होने वाले सामान यानी FMCG प्रोडक्ट के दाम बढ़ सकते हैं।जियो-पॉलिटिकल तनाव के कारण कच्चे माल की लागत यानी इनपुट कॉस्ट लगातार बढ़ रही है। इसे देखते हुए देश की प्रमुख FMCG कंपनियां चालू यानी सितंबर तिमाही में अपने प्रोडक्ट्स की कीमतें बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। इससे पहले पिछली यानी अप्रैल-जून तिमाही में कंपनियों ने औसतन 2 से 5% तक दाम बढ़ाए थे।

इस तिमाही यानी जुलाई-सितेबर में कंपनियां सीधे तौर पर रेट बढ़ाने के अलावा 'श्रिंकफ्लेशन' का सहारा ले रही हैं। यानी सामान की कीमत वही रहेगी, लेकिन पैकेट में उसकी मात्रा यानी वजन कम कर दिया जाएगा। कंपनियों का कहना है कि पाम ऑयल, चीनी और क्रूड ऑयल के दामों में उतार-चढ़ाव से मार्जिन पर दबाव बढ़ रहा है।



भारत में प्रमुख FMCG कंपनियां जैसे हिंदुस्तान यूनिलीवर (HUL), आईटीसी, नेस्ले, डाबर, ब्रिटानिया आदि इन प्रोडक्ट्स में सक्रिय हैं। FMCG वे रोजमर्रा के उपभोक्ता सामान हैं जो जल्दी बिकते और खर्च हो जाते हैं।

देश की प्रमुख बेकरी और स्नैक कंपनी ब्रिटानिया चालू तिमाही में 'श्रिंकफ्लेशन' के जरिए कीमतों में 1.5 से 2% की और बढ़ोतरी कर सकती है। यह कटौती मुख्य रूप से कंपनी के 5 और 10 वाले बिस्किट पैक्स में देखने को मिलेगी।

फास्ट न्यूज

शंघाई के एयरपोर्ट्स पर 1300 से ज्यादा उड़ानें रद

बीजिंग। ताइवान में भारी तबाही मचाने के बाद अब चक्रवाती तूफान 'डॉल्फिन' चीन के पूर्वी तट की ओर तेजी से बढ़ रहा है। तूफान के खतरे को देखते हुए शंघाई के दोनों प्रमुख हवाई अड्डों ने रविवार को 1,300 से अधिक उड़ानें रद कर दी हैं।

दरअसल, तूफान डॉल्फिन ने शनिवार को राजधानी ताइपे समेत उत्तरी ताइवान को प्रभावित किया।

भीषण गर्मी की चपेट में आधा इंग्लैंड

लंदन। इंग्लैंड में कई बार पड़ी भीषण गर्मी की वजह से सूखे जैसे हालात बन गए हैं। लंदन का ब्लैकहीथ उस सूखे की चपेट में है जिसका असर इंग्लैंड के आधे हिस्से पर पड़ रहा है। पूरा वेल्स और इंग्लैंड का लगभग आधा हिस्सा प्रभावित हुआ है।

यूके में जुलाई में होने वाली औसत बारिश का सिर्फ 35% ही पानी बरसा, जिससे 1868 के बाद से यह देश का सबसे सूखा जुलाई महीना रहा। इस वीकेंड यूके में एक बार फिर गर्मी बढ़ेगी और अगले हफ्ते साल की पांचवीं बड़े पैमाने पर हीटवेव घोषित होने की संभावना है।

यूटा में जंगल की आग बुझाते समय क्रैश हुआ हेलिकॉप्टर

यूटा। अमेरिका के यूटा में जंगल की आग बुझाते समय दुर्घटनाग्रस्त हुए दो हेलीकॉप्टर पायलटों की मौत हो गई है। इस बात की पुष्टि अधिकारियों ने शनिवार को की। सेवियर काउंटी शेरिफ के अनुसार, शुक्रवार सुबह जब उनका सिकोरस्की स्काईक्रेन हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ तो पायलटों की मौत हो गई।

बच्चे ने सीटबेल्ट नहीं लगाई तो कैंसिल हो गई टोरंटो जा रही फ्लाइट

ओटावा, एजेंसी

कनाडा में एक शरारती बच्चे की जिद के कारण सैकड़ों यात्रियों को 24 घंटे तक इंतजार करना पड़ा। 6 अगस्त को विक्टोरिया इंटरनेशनल एयरपोर्ट से टोरंटो जाने वाली पोर्टर फ्लाइट PD4444 रनवे पर जाने को तैयार थी, तभी क्रू ने देखा कि एक बच्चा सीटबेल्ट नहीं पहन रहा है। क्रू मेंबर्स और बच्चे के माता-पिता ने उसे मनाने की बहुत कोशिश की, लेकिन बच्चा मानने को तैयार नहीं था। सुरक्षा नियमों के कारण बिना सीटबेल्ट के टेकऑफ मुमकिन नहीं था। एयरलाइन ने कहा, पेरेंट्स और क्रू की कोशिशें नाकाम रहीं। इस अनसेफ कंडीशन में प्लेन उड़ नहीं सकता था, इसलिए टर्मिनल वापस जाकर पैसेंजर्स को उतारना पड़ा। क्रू के पास दूसरा ऑप्शन था कि बच्चे और उसके माता-पिता को वहीं छोड़ दिया जाए। लेकिन जब तक प्लेन को गेट पर लाया गया, उन्हें और उनका सामान उतारा गया और कागजी कार्रवाई हुई, तब तक देर हो चुकी थी। विक्टोरिया एयरपोर्ट रात 12.30 बजे बंद हो जाता है। इस वजह से फ्लाइट को अगले दिन 7 अगस्त रात 10.49 बजे के लिए रीशेड्यूल किया गया। प्लेन आखिरकार शनिवार सुबह टोरंटो पहुंचा। अभी साफ नहीं है कि देरी से परेशान यात्रियों को मुआवजा मिला या नहीं। इस घटना के बाद सॉफ्ट पेरेंटिंग पर बहस छिड़ गई। लोग हैरान हैं कि माता-पिता बच्चे को कंट्रोल क्यों नहीं कर पाए। Reddit पर एक यूजर ने लिखा, पेरेंट्स ने कुछ नहीं किया, उन्होंने कहा सीटबेल्ट न पहनना उनका अधिकार है। वहीं X पर एक यूजर ने कहा कि पेरेंट्स पर फाइन लगना चाहिए था। एक अन्य यूजर ने लिखा कि प्लेन को जाने देना चाहिए था, पेरेंट्स को उतारकर उनका बैग जब्त कर लेना चाहिए था।



नई नौकरी तलाशने की 60 दिन की मोहलत खत्म करने की तैयारी, 5 लाख भारतीयों पर असर

एच-1बी वीजा वालों की नौकरी गई तो अमेरिका छोड़ना पड़ेगा

लन्दन, एजेंसी

अमेरिका में H-1B वीजा पर काम कर रहे विदेशी कर्मचारियों की मुश्किल बढ़ सकती है। अमेरिकी सरकार नौकरी जाने के बाद नई नौकरी तलाशने के लिए मिलने वाली 60 दिन की मोहलत खत्म करने पर विचार कर रही है। अगर यह बदलाव लागू होता है तो नौकरी जाने के बाद अमेरिका में रुकना मुश्किल हो सकता है।

यह प्रस्ताव फिलहाल व्हाइट हाउस के ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट (OMB) को भेजा गया है। अभी यह नियम नहीं बना है। दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका में H-1B वीजा पर काम कर रहे करीब 5 लाख भारतीयों पर इसका असर पड़ सकता है। अगर किसी H-1B कर्मचारी की नौकरी चली जाती है, तो उसे उसी समय अमेरिका छोड़ने की जरूरत नहीं होती। मौजूदा नियमों के मुताबिक, उसे अधिकतम 60 दिन का समय मिल सकता है। इस दौरान वह नई नौकरी खोज सकता है या अमेरिका में अपना स्टेटस बनाए रखने के लिए जरूरी कदम उठा सकता है। नई नौकरी ढूंढना ही अकेला रास्ता नहीं है। कुछ मामलों में कर्मचारी दूसरे वीजा या स्टेटस के लिए भी अर्जी दे सकता है। जैसे, कुछ शर्तों के तहत वह डिपेंडेंट या विजिटर स्टेटस के लिए आवेदन कर सकता है। अगर वह ग्रीन कार्ड के लिए पहले से योग्य है, तो उसके लिए भी कुछ रास्ते हो सकते हैं।



इस दौरान कर्मचारी दूसरी कंपनी में नौकरी खोज सकता है। नई कंपनी उसके लिए एच-1बी की अर्जी लगा सकती है। नियमों के तहत, कुछ मामलों में कर्मचारी अर्जी मंजूर होने का इंतजार किए बिना नई कंपनी में काम शुरू कर सकता है।

जयशंकर ने भी उठाया था मुद्दा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसी साल मई में यह मामला अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के सामने उठाया था। रूबियो ने माना था कि नए इमिग्रेशन सिस्टम में बदलाव के दौरान कुछ दिक्कतें और तनाव हो सकते हैं।

हालांकि, रूबियो ने कहा था कि अमेरिका इमिग्रेशन सिस्टम को ज्यादा प्रभावी बनाने की कोशिश कर रहा है और लंबे समय में इसका फायदा सभी पक्षों को मिलेगा। रूबियो ने यह भी कहा था कि यह कदम खासतौर पर भारत को निशाना बनाकर नहीं उठाया गया। उनके मुताबिक अमेरिका पिछले कुछ सालों में बड़े पैमाने पर अवैध प्रवासियों की समस्या से जूझ रहा है। 2 करोड़ से ज्यादा लोग गैरकानूनी तरीके से अमेरिका में दाखिल हुए और उसी चुनौती से निपटने के लिए यह बदलाव किए जा रहे हैं।

अमेरिका में 7 साल रहने वाले प्रवासियों को ग्रीन कार्ड मिलेगा

अमेरिका में रह रहे भारतीय H-1B वीजा धारकों समेत लाखों लोगों के लिए ग्रीन कार्ड पाने का नया मौका मिल सकता है। अमेरिकी सीनेट में एक ऐसा विधेयक पेश किया गया है, जिसमें पिछले 7 साल से लगातार अमेरिका में रह रहे लोगों को ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करने की अनुमति देने का प्रस्ताव है। ग्रीन कार्ड अमेरिका में स्थायी रूप से रहने और काम करने की अनुमति देने वाला आधिकारिक दस्तावेज है। इसे आधिकारिक तौर पर परमानेंट रेजिडेंट कार्ड कहा जाता है।

भारत-अमेरिका साझेदारी मजबूत करने पर चर्चा, वेंस को बेटे के जन्म पर बधाई दी

अमेरिकी उपराष्ट्रपति से पीएम मोदी ने फोन पर की बात

नई दिल्ली, एजेंसी

पीएम मोदी ने शनिवार रात अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से फोन पर बातचीत की। मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट कर इसकी जानकारी दी।

मोदी ने लिखा, "अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का फोन आया। हमने प्रमुख क्षेत्रों में भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की।"

उन्होंने वेंस को बेटे के जन्म पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। दरअसल, 19 जुलाई को जेडी वेंस चौथी बार पिता बने थे।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस 3 से 7 मार्च 2025 तक भारत में थे। उनके साथ-साथ उनकी पत्नी उषा और तीनों बच्चे- इवान, विवेक और मिराबेल भी भारत आए थे।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उन्हें दिल्ली में रिसीव किया था। एयरपोर्ट पर ही उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया था। उन्होंने PM मोदी से भी मुलाकात की थी। उपराष्ट्रपति बनने के बाद यह जेडी वेंस की पहली आधिकारिक भारत यात्रा थी।

ऊषा की मां एक बायोलॉजिस्ट हैं और पिता इंजीनियर। ऊषा कहती हैं कि उन्होंने अपने माता-पिता के आदर्शों को ध्यान में रखते हुए ही पढ़ाई की है। येल से बैचलर की डिग्री हासिल करने के बाद ऊषा ने गेट्स कैम्ब्रिज स्कॉलरशिप की मदद से कैम्ब्रिज से मास्टर ऑफ फिलॉसफी की डिग्री हासिल की। ऊषा ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस जॉन रॉबर्ट्स के लिए क्लर्क के रूप में काम किया।



उषा वेंस के माता-पिता आंध्र प्रदेश से थे

जेडी वेंस की पत्नी ऊषा का जन्म और स्कूली शिक्षा सैन डिएगो में हुआ है। उनके माता-पिता 1980 के दौरान आंध्र से अमेरिका आकर बसे गए थे। अमेरिका में रहने के बावजूद उनके माता-पिता ने वहां की मॉडर्न संस्कृति से प्रभावित हुए बिना उन्हें भारतीय संस्कृति और हिंदू धर्म के अनुसार शिक्षा और संस्कार दिए। बाद में वेंस भी इन संस्कारों से प्रभावित हुए।



ट्रम्प भी 2027 की शुरुआत में भारत आ सकते हैं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प साल 2027 की शुरुआत में भारत आ सकते हैं। 27 जून को व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने ये बयान दिया। ये ट्रम्प की राष्ट्रपति रहते हुए दूसरी भारत यात्रा हो सकती है। इससे पहले ट्रम्प साल 2020 में पहली बार भारत यात्रा पर आए थे। वे अहमदाबाद में 'नमस्ते ट्रम्प' कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

खाना खाने के कुछ घंटों बाद मरा मिला लश्कर आतंकी

पाकिस्तान में अज्ञात व्यक्ति का खौफ

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के इस्लामाबाद की एक मस्जिद में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक सीनियर कमांडर की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। कमांडर कारी सईद अब्दुल अजीज ने नमाज पढ़ने के लिए कुबा मस्जिद पहुंचने से पहले एक अनजान रेस्टोरेंट में खाना खाया था। इसके बाद वह अचानक मस्जिद के गेट पर गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई। उसकी मौत की वजह तुरंत साफ नहीं हो पाई। कारी सईद लश्कर के उस विभाग का इंचार्ज था जो जम्मू-कश्मीर में मुठभेड़ में मारे गए आतंकियों के परिवारों की मदद करता था। उसकी अचानक मौत की खबर ऐसे समय में आई है जब लश्कर के एक बड़े ऑपरेटिव ने दावा किया है कि अज्ञात लोगों ने पाकिस्तान के अंदर संगठन के करीब 30 सदस्यों को मार डाला है। एक वीडियो में रिजवान हनीफ यह दावा करते हुए दिख रहा है कि पिछले तीन-चार सालों में 2008 के मुंबई हमलों (जिनमें 166 लोग मारे गए थे) के लिए जिम्मेदार उनके प्रतिबंधित संगठन के कई सदस्य पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (PoK) के अलग-अलग इलाकों में मारे गए हैं। पेशावर, कराची, रावलपिंडी, रावालाकोट और मुजफ्फराबाद में अज्ञात लोगों ने लश्कर-ए-तैयबा के 30 से ज्यादा आतंकवादियों को मार गिराया है। यह पहली बार है जब लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े किसी आतंकवादी ने ऐसी हत्याओं की बात सार्वजनिक रूप से स्वीकार की है।



निवेश : जुलाई में भारतीय बाजार में 20,200 करोड़ आए थे, वजह- क्रूड सस्ता हुआ

अगस्त के पहले-हफ्ते में एफपीआई ने 12,921 करोड़ निवेश किए

मुंबई, एजेंसी

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPIs) ने अगस्त के पहले हफ्ते में भारतीय शेयर बाजार में 12,921 करोड़ का भारी निवेश किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था की बेहतर होती स्थिति, अमेरिका में ब्याज दरें घटने की उम्मीद, कच्चे तेल के गिरते दाम और स्थिर रुपए के कारण विदेशी निवेशकों की लिवाली जारी है। जुलाई में हुए 20,200 करोड़ के निवेश के बाद लगातार दूसरे महीने भारतीय बाजार में पॉजिटिव फंड फ्लो देखा जा रहा है।

हालिया खरीदारी के बावजूद, विदेशी निवेशक 2026 में अब तक भारतीय इक्विटी में कुल मिलाकर नेट सेलर बने हुए हैं। इस साल अब तक FPIs भारतीय शेयर बाजार से 2.41 लाख करोड़ रुपए निकाल चुके हैं। यह आंकड़ा पूरे साल 2025 में हुई 1.66 लाख करोड़ रुपए की कुल बिकवाली से भी ज्यादा हो चुका है। बजाज ब्रोकिंग के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट (रिसर्च) पबित्रो मुखर्जी का मानना है कि FIIs और DIIs की ओर से लगातार जारी खरीदारी के पीछे भू-राजनीतिक (जियोपॉलिटिकल) तनाव का कम होना एक मुख्य वजह है। तनाव कम होने से वैश्विक निवेशकों का सेंटिमेंट पॉजिटिव हुआ है, जिससे भारतीय शेयर बाजार को मजबूत सहारा मिला है।



लगातार 4 महीने की बिकवाली के बाद ट्रेंड बदला

जून में 49,340 करोड़, मई में 32,963 करोड़, अप्रैल में 60,847 करोड़ और मार्च में 1.17 लाख करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बिकवाली के बाद जुलाई से बाजार में ट्रेंड बदला है।

CDSL के आंकड़ों के मुताबिक, मार्च से जून तक लगातार चार महीनों की बिकवाली से पहले FPIs ने फरवरी में 22,615 करोड़ का निवेश किया था। इसके बाद जुलाई में 20,200 करोड़ का इनफ्लो दर्ज किया गया, जिससे भारतीय शेयर बाजार में रिकवरी देखने को मिली है।

सेकेंडरी मार्केट और लिस्टेड कंपनियों में रुचि बढ़ी

इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म Trackk के को-फाउंडर और CEO वेदांत गुप्ते ने बताया कि हालिया निवेश बाजार में सुधरते सेंटिमेंट का नतीजा है। अमेरिका में रेट कट की उम्मीद, कच्चे तेल की घटती कीमतें और स्थिर रुपए ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया है। वेदांत गुप्ते ने कहा कि RBI द्वारा ग्रोथ और महंगाई को लेकर दिए गए बेहतर आउटलुक ने निवेशकों का विश्वास बढ़ाया है। भारतीय शेयरों में विदेशी हिस्सेदारी फिलहाल निचले स्तर पर है, जिससे नए फंड्स के लिए काफी गुंजाइश बची हुई है।

बारिश के मौसम में घर खरीदना रहेगा सही

बिल्डिंग की मजबूती और क्वालिटी का सही पता चलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

अगर आप घर या प्रॉपर्टी खरीदने का प्लान बना रहे है, तो बारिश का मौसम इसके लिए सही समय रहेगा। इस मौसम में मकान और उसके आसपास के इलाके वैसे नहीं रह जाते जैसे ये सालभर दिखाई देते हैं।

इस मौसम में घर और प्रॉपर्टी को सही तरह से परखा जा सकता है। साथ ही, इस समय बैंक की होम लोन की ब्याज दरें भी कम हैं।

मकान की खूबसूरत से ज्यादा उसकी मजबूती जरूरी है। बरसात में प्रॉपर्टी की क्वालिटी का सही पता लगाया जा सकता है। छत या दीवारों पर सीलन, जमीन, खिड़की, दरवाजों और खासतौर पर बाथरूम में नमी नजर आ रही है, तो न खरीदना ही बेहतर होगा। वहीं बरसात में कई जगहों पर पानी भरने की समस्या रहती है इसीलिए ये देखे की पानी निकासी की व्यवस्था है या नहीं। घर खरीदते वक्त आसपास की सुविधाएं और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान देना चाहिए। बारिश के मौसम में कुछ सड़कों पर पानी भरने, ट्रैफिक और बिजली की समस्या होती है। खासतौर पर मकान या कॉलोनी निर्माताओं द्वारा मुख्य सड़क जोड़े रखने वाली अच्छी सड़क के कई वादे किए जाते हैं, पर असलियत कई बार यह नहीं होती। सड़क असुविधाजनक या जोख़िम भरी हुई तो नहीं है, इसका ध्यान ज़रूर रखें। इन सुविधाओं का अंदाजा बारिश में ही लग सकता है।



तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676